दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -192 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शनिवार, 4 जुलाई, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

पंजाब कांग्रेस में 'बगावत'! रंधावा ने अमित शाह से क्यों की मुलाकात?

चंडीगढ़, एजेंसी | पंजाब कांग्रेस में हाल ही में हुए संगठनात्मक बदलावों के बाद मची उथल-पुथल के बीच, वरिष्ठ नेता सुखजिंदर रंधावा ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और सीमावर्ती राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का मुद्दा उठाया। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब पार्टी नेतृत्व द्वारा अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को राज्य इकाई का प्रमुख बनाए रखने के फैसले के बाद पंजाब कांग्रेस में आंतरिक असंतोष की स्थिति बनी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थक मोरिंडा स्थित उनके आवास पर जमा हुए, जबकि कई पूर्व विधायक उन्हें राज्य अध्यक्ष बनाने की मांग कर रहे हैं। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम रंधावा ने बाद में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने लगभग एक महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य में गैंगस्टरों के दबदबे, जबरन वसूली और खासकर पंजाब के सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तान-समर्थित नार्को-टेररिज्म के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि शाह के साथ उनकी बैठक उसी पत्र और गृह मंत्री को कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, साथ ही पंजाब पुलिस के राजनीतिक इस्तेमाल और राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल' के बारे में दी गई एक अलग जानकारी के बाद हुई थी।

उन्होंने कहा कि उन्होंने मोदी को गुरदासपुर, अमृतसर और पठानकोट के सीमावर्ती इलाकों में हुई घटनाओं के बारे में आगाह किया था। रंधावा ने कहा कि केंद्र के पास ऐसी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए मिलिट्री इंटेलिजेंस, RAW, CBI और इंटेलिजेंस ब्यूरो जैसी एजेंसियां हैं। शाह के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'गृह मंत्री ने मुझसे पूछा कि क्या मैंने राज्य के DGP से बात की है... जबरन वसूली हो रही है और जेलों में बंद लोग मोबाइल से बात कर रहे हैं।

चेतन से कोडवर्ड में चैट करती थी सिया, जांच में उलझी पुलिस?

पुणे, एजेंसी | केतन अग्रवाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद शुक्रवार को एक बार फिर वडगांव मावल कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान अदालत परिसर और उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुनवाई के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

दोनों आरोपियों को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ए.एम. विभूते की अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों की तीन दिन की अतिरिक्त पुलिस रिमांड मांगी थी। अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि गोयल और चौधरी के मोबाइल फोन से मिले डेटा में इशारों और कोड वाली भाषा में बातचीत थी, और उस बातचीत का मतलब समझने के लिए उनसे हिरासत में और पूछताछ करना जरूरी है।

वहीं, सिया गोयल और चौधरी के वकीलों ने इस अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि पुलिस को मामले की जांच के लिए पहले ही काफी समय दिया जा चुका है और अब हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं है।

दोनों देशों की साझेदारी मजबूत करने में मध्यप्रदेश निभाएगा बड़ी भूमिका

भारत और जर्मनी दो भाईयों की तरह : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को जर्मनी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री से मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के कार्यकारी बोर्ड की सदस्या एवं बैंक की सीईओ सुश्री क्रिस्टियाने लाईबेक, कंट्री डायरेक्टर श्री वूल्फन मूथ, जर्मन दूतावास के प्रतिनिधि श्री गॉटफ्रीड वॉन और अन्य सदस्य, प्रबंध संचालक म.प्र. औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड श्री चंद्रमौली शुक्ला, श्री विशेष गढ़पाले सहित केन्द्र सरकार के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यनमंत्री डॉ. यादव ने भारत एवं जर्मनी के बीच दशकों पुरानी मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देश भाईयों की तरह हैं। इनमें आपसी साझेदारी को और अधिक प्रबल बनाने में मध्यप्रदेश बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। सरकार जर्मनी के उद्योगपतियों और निवेशकों से लगातार सम्पर्क में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऊर्जा क्षेत्र में केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के सहयोग की सराहना करते हुए आशा जताई कि हमारी साझेदारी दिन-ब-दिन और भी सुदृढ़ होगी। जर्मनी के सहयोग से हमारा मध्ययप्रदेश एक ऊर्जा दक्ष हरित और समृद्ध राज्य बनेगा।

केएफडब्ल्यू बैंक के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया गया कि एनर्जी रिफार्म प्रोग्राम अन्तर्गत वितरण कंपनियों में स्मार्ट मीटर की स्थापना एवं फीडर विभक्तिकरण कार्य के लिए लगभग 1120 करोड़ रूपये का वित्त पोषण किया जा रहा है। बैंक द्वारा इस साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए एनर्जी रिफार्म फेज-2 अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण अधोसंरचना निर्माण तथा सौर घंटों में कृषि फीडरों की आपूर्ति के लिये अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्यों के लिए लगभग 200 मिलियन यूरो के वित्तीय सहयोग पर भी रूचि दिखाई है।

आगरा में पति को मारकर बाथरूम में दफनाया, ऊपर से कर दिया प्लास्टर

आगरा, एजेंसी | उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला ने अपने पति की हत्या करने के बाद शव को घर के बाथरूम में दफना दिया और ऊपर से प्लास्टर करवा दिया। इसके बाद वह करीब 45 दिनों तक पति के लापता होने का दावा करती रही। पुलिस ने शक के आधार पर बाथरूम की खुदाई कराई, जहां से शव बरामद हुआ। मामले में महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, 44 वर्षीय सुरेंद्र आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र स्थित प्राक्षी टावर चौकी इलाके में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। वह 18 मई से लापता था। इस दौरान परिवार की ओर से उसके गायब होने की बात कही जा रही थी।

भाई के शक पर खुला मामला - मृतक

के भाई को पूरे घटनाक्रम पर संदेह हुआ। उसने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने घर पहुंचकर जांच शुरू की। शक गहराने पर बाथरूम की खुदाई कराई गई। खुदाई के दौरान फर्श के नीचे से सुरेंद्र का शव बरामद हुआ।

प्लास्टर कर छिपाया गया था शव - प्राथमिक जांच में सामने आया कि शव को बाथरूम में दफनाने के बाद उस स्थान पर प्लास्टर करा दिया गया था, ताकि किसी को इसकी भनक न लगे। शव मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

पत्नी हिरासत में - पुलिस ने मृतक की पत्नी को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

इलाके में दहशत - घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग इस वारदात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी, सिर्फ पांच घंटे में 70मिमी से अधिक वर्षा दर्ज

मुंबई, एजेंसी | महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई समेत राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है. मौसम विभाग ने अगले दो तीन दिन तक भारी बारिश की संभावना जताई है. मुंबई, पालघर, ठाणे और रायगढ़ में शनिवार (4 जुलाई) के लिए और पालघर में रविवार (5 जुलाई) के लिए भारी से बहुत भारी बारिश का 'रेड' अलर्ट जारी किया गया है.

अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी ठाणे, पालघर और रायगढ़ ज़िलों के लिए भी 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है. मॉनसून के देर से आने के बाद इस पूरे हफ्ते मुंबई में तेज बारिश हुई है, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है.

4 और 5 जुलाई को कई जगहों पर होगी बहुत तेज बारिश - शुक्रवार दोपहर को जारी IMD के जिलेवार

पूर्वानुमान के अनुसार, 4 और 5 जुलाई को शहर में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग इलाकों में बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान के सच होने की संभावना को 'बहुत ज्यादा' बताया गया है.

IMD ने सोमवार (06 जुलाई) को भी मुंबई में कुछ अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि मंगलवार को कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है. BMC अधिकारियों के अनुसार, पड़ोसी ठाणे और पालघर ज़िलों में भी शनिवार और रविवार के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है, जहाँ कुछ अलग-अलग इलाकों में बहुत ज्यादा बारिश होने का अनुमान है.

ममता बनर्जी के हाथ से छिना टीएमसी का `तृणमूल भवन'

कोलकाता, एजेंसी | पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के अंदर जारी घमासान के बीच कोलकाता में शुक्रवार को ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई वाले खेमे ने टीएमसी के दफ्तर को अपने नियंत्रण में ले लिया। टीएमसी के इस दफ्तर की दीवारों पर हर कहीं ममता बनर्जी के सियासी सफर से जुड़ी तस्वीरें टंगी हुई हैं। बागी खेमे ने दफ्तर को केंद्रीय चुनाव आयोग में पार्टी और चुनाव चिन्ह पर दावा ठोंकने के बाद कब्जे में लिया है। ऋतब्रत बनर्जी अपने साथ 80 में 60 से अधिक विधायकों के साथ होने का दावा कर रहे हैं।

टीएमसी में शुक्रवार को ऋतब्रत बनर्जी के गुट ने कोलकाता की मेट्रोपॉलिटन बिल्डिंग में मौजूद तृणमूल कांग्रेस के हेडक्वार्टर 'तृणमूल भवन' पर कब्जा कर लिया। इससे पार्टी में लीडरशिप को लेकर चल रही खींचतान और तेज हो गई। बागी गुट के कब्जा करने के मौके पर नेता विपक्ष ऋतब्रत बनर्जी, संदीपान साहा, अखरुजमान, गुलाम रब्बानी, प्रसून बनर्जी, फिरहाद हकीम, जावेद खान मौजूद रहे।

ई-रिक्शा बैटरी एप दुरुपयोग पर सरकार की कार्रवाई: सात मोबाइल एप स्टोर से हटाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी | केंद्र सरकार ने ई-रिक्शा चालकों को बड़ी राहत दी है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (आईटी मंत्रालय) ने सात मोबाइल एप के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, जिनका कथित तौर पर दुरुपयोग कर चलते हुए ई-रिक्शा की बैटरी बंद करने में किया जा रहा था। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने ई-रिक्शा और अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को गलत तरीके से बंद करने में इस्तेमाल हो रहे 7 एप्स को हटाने के लिए गूगल एंड्रॉयड और एप्पल आईओएस को नोटिस जारी किया है। इनमें BAT-BMS, SMART BMS और LOSSIGY जैसे एप शामिल हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: मामला खुलने से बढ़ी दान राशि, अब बैंक में रोजाना जमा किए जा रहे 24 से 26 लाख रुपये

अयोध्या, एजेंसी | राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद दान राशि में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। पहले ट्रस्ट के बैंक खातों में औसतन 16 से 18 लाख रुपये दान के रूप में जमा हो रहे थे। अब यह राशि बढ़कर 24 से 26 लाख रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है। राम जन्मभूमि मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के बीच एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, चोरी का मामला उजागर होने से पहले प्रतिदिन राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बैंक खातों में औसतन 16 से 18 लाख रुपये दान के रूप में जमा हो रहे थे। वहीं, प्रकरण सामने आने के बाद यही राशि बढ़कर 24 से 26 लाख रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है। इसी आधार पर आशंका जताई जा रही है कि पहले प्रतिदिन करीब 6 से 8 लाख रुपये की दानराशि में अनियमितता हो रही थी।

एक्टर चंद्रचूड़ सिंह के घर के बाहर चला बुलडोजर, सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | गुरुग्राम के पॉश इलाके DLF Phase 3 में गैर कानूनी निर्माण पर गुरूग्राम में जिला योजनाकार (डीटीपी) का बुलडोजर चला। इसी क्रम में बॉलीवुड के मशहूर एक्टर चंद्रचूड़ सिंह के घर के बाहर बने अवैध निर्माण पर भी बुलडोजर चला दिया गया। बताया जाता है कि एक्टर के घर की स्टिल्ट पार्किंग एरिया में नियमों के विरुद्ध निर्माण किया गया था, जिसे अवैध माना गया और इसे हटा दिया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन की ओर से पहले ही नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि, दिए गए समय में में संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद यह सख्त कदम उठाया गया है। इस एक्शन से वहां अवैध निर्माण करने वालों में आसपास हड़कंप मच गया। फिल्म स्टार रहे चंद्रचूड़ सिंह के घर

के अवैध हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया। मौके के वीडियोज़ भी सामने आए हैं।

इस मौके के कुछ वीडियोज सामने आए हैं जिसमें चंद्रचूड़ खुद घर के बाहर अधिकारियों से बातचीत करते दिख रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि वो इस काम में अधिकारियों को अपनी तरफ से सहयोग करते दिखे। वीडियो में एक्टर काफी कैजुअल बातचीत करते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि डीटीपी अमित मधौलिया ने इस कार्रवाई की जानकारी खुद एक्टर को दी है। बताया जा रहा है कि एक्टर ने सड़क की जमीन पर दीवार बना रखी थी और पेड़-पौधे लगा रखे थे, जिसे हटाया गया है।

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई DLF Phase 1 से लेकर 3 तक कई प्रॉपर्टी (विशेष रूप से U Block और Nathupur Road) में अवैध रूप से बने कमर्शियल स्पेस, पीजी और अतिरिक्त फ्लैटों पर भी लगातार सीलिंग और तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा रही है।

52,000 करोड़ का डिफेंस बूस्ट : डीएसी ने सैन्य उपकरणों को दी मंजूरी, बढ़ेगी भारत की ताकत

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने रक्षा बलों के लिए लगभग 52,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को 'आवश्यकता की स्वीकृति' (AoN) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना के लिए, एंटी-अनमैन्ड एरियल व्हीकल (UAV) इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम 'आकाश तरंग', मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM) सिस्टम, मीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (MRSAM) वेपन सिस्टम, वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (V-SHORADS), टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम

और जेट-बेस्ड कामिकेज़ ड्रोन सिस्टम की खरीद को मंजूरी दी गई।

आकाश तरंग (AKASH TARANG) सेना की टुकड़ियों को एंटी-UAV सुरक्षा देगा। MPATGM दुश्मन के मैकेनाइज्ड खतरों का मुकाबला करने की इन्फैंट्री की क्षमता को बढ़ाएगा। MRSAM सिस्टम कई तरह के दूर से होने वाले हवाई खतरों के खिलाफ मध्यम दूरी की हवाई सुरक्षा देता है। मल्टी-स्पेक्ट्रल सेंसिंग वाला V-SHORADS भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और असर को बढ़ाएगा। एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम टैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और उनके बचे रहने की क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगा। जेट-बेस्ड कामिकेज़ ड्रोन बेहतर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमता के साथ-साथ ज्यादा घातक और सुरक्षित होने के साथ-साथ किफायती भी हैं।

भारतीय नौसेना के लिए, मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM), नेवल शिपबोर्न अनमैन्ड एरियल सिस्टम (NSUAS) की खरीद और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम के लिए लैंड बेस्ड टेस्टिंग फैसिलिटी (LBTF) बनाने की मंजूरी दी गई। MIGM दुश्मन की चाल चलने की आज़ादी को रोकेगा। एडवांस्ड सेंसर से लैस NSUAS भारतीय नौसेना की स्थिति की जानकारी (सिचुएशनल अवेयरनेस) को बेहतर बनाएगा।

किन्नौर में बादल फटा, मलबे में दबीं गाड़ियां; मानसून ने पकड़ी रफ्तार

शिमला, एजेंसी | मानसून ने हिमाचल प्रदेश में अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। किन्नौर जिले के चोलिंग में शुक्रवार तड़के बादल फटने की घटना ने शिमला-किन्नौर राष्ट्रीय राजमार्ग-5 को अपनी चपेट में ले लिया। हाईवे से गुजर रही एक पिकअप और एक स्कॉर्पियो वाहन मलबे में दब गए। हालांकि, दोनों वाहनों में सवार लोग समय रहते बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बादल फटने के बाद पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर हाईवे पर आ गिरे। प्रशासन को सड़क बहाल करने में करीब आठ घंटे का समय लगा। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। वाहनों में रखा सामान तेज बहाव और मलबे में बह गया। शुक्रवार शाम तक राज्य में 49 सड़कें 23 पेयजल योजनाएं बाधित रहीं। उधर, रिब्बा क्षेत्र के ओठंग नाले में वीरवार रात करीब तीन बजे अचानक बाढ़ आ गई। उफनते नाले ने रिब्बा से कंडे को जोड़ने वाली संपर्क सड़क को कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त कर दिया। सुबह ग्रामीणों ने देखा कि कई वाहन मलबे में टायर तक धंसे हुए थे। शुक्रवार को प्रदेश के अन्य हिस्सों में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिला। कांगड़ा जिले के धर्मशाला और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर बाद तेज बारिश हुई, जबकि चंबा में सुबह से हल्की वर्षा का दौर चलता रहा। बाद में धूप निकलने से उमस बढ़ गई। मंडी में रात की बारिश से कुछ घरों में पानी चला गया। ऊना और हमीरपुर में बारिश नहीं होने से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा।

जमीनी विवाद में इंसानियत शर्मसार;
14 साल के बेटे के सामने मां पर डीजल डालकर जिंदा जलाने का प्रयास

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर जिले के पड़रिया गांव में जमीन विवाद के दौरान दबंगों ने 40 वर्षीय रीना बाई पर डीजल डालकर आग लगा दी। 14 वर्षीय बेटे ने किसी तरह आग बुझाकर मां की जान बचाई। गंभीर रूप से झुलसी महिला को जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सागर जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां जमीनी विवाद को लेकर कुछ दबंगों ने एक मां को उसके 14 साल के मासूम बेटे के सामने ही डीजल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश की। मां को तड़पता देख बेटे ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर आग बुझाई, लेकिन तब तक महिला बुरी तरह झुलस चुकी थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल महिला को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में उन्हें सागर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

खेत पर विरोध करने पर भड़के आरोपी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला नई बस्ती पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पड़रिया का है। गुरुवार सुबह करीब 40 वर्षीय रीना बाई डांगी (पति अरविंद डांगी) अपने 14 वर्षीय बेटे को साथ लेकर खेत पर गई थीं। वहां गांव के ही कुछ लोग जबरन कृषि कार्य (बोवनी/जुताई) कर रहे थे। जब रीना बाई ने इसका विरोध किया, तो आरोपी भड़क गए और दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। पीड़ित महिला का आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने सबसे पहले महिला के 14 साल के बेटे पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया ताकि वह पीछे हट जाए। जब महिला अपनी संतान को बचाने आगे आई, तो आरोपियों ने उन पर डीजल उड़ेल दिया और माचिस मार दी। देखते ही देखते महिला आग की लपटों से घिर गई। मां को जलता देख चीख-पुकार मचाते हुए बेटे ने जैसे-तैसे आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक महिला गंभीर रूप से झुलस चुकी थी।

हलवाई बोला- मां को किसी ने मार दी गोली, फिर खुद को ब्लेड से काटा, सागर में पुलिस चौकी के पास मिला शव

सागर में 28 साल युवक जो की पेशे से हलवाई था,उसकी शव शनिचरी पुलिस चौकी के संदिग्ध अवस्था में मिला। बताया जा रहा है कि युवक मतिभ्रम नाम की बिमारी से जूझ रहा था।

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर जिले में एक युवक की मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी है। जिले के गोपालगंज में शनिचरी पुलिस चौकी के परिसर के पास बुधवार सुबह एक 28 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान कृष्णगंज वार्ड निवासी राजू अट्या के रूप में हुई है, जो पेशे से हलवाई का काम करता था। शव पर चोटों के निशान मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस के मुताबिक युवक गंभीर मानसिक मतिभ्रम और नशे का आदि था। पुलिस के मुताबिक मृतक राजू पिछले 4-5 दिनों से गंभीर मतिभ्रम (हेलुसिनेशन) से गुजर रहा था। उसे लगातार यह आभास हो रहा था कि कोई उसे मार रहा है। पुलिस जांच में सामने आया कि वह डर के मारे सड़कों पर बदहवास दौड़ रहा था और इस दौरान ठोकर खाकर गिरने से भी उसे चोटें आई। पुलिस ने बताया कि पटाखों की आवाज और कुत्तों के भौंकने से वह दहशत में आ रहा था।

पुलिस को कॉल कर कहा था- मां को किसी ने मार दी गोली, शराब की थी लत - गोपालगंज थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा और शनिचरी चौकी प्रभारी नीरज जैन ने बताया कि युवक को शराब पीने की लत थी। पुलिस को मृतक की मां ने बताया कि पिछले 7-8 दिनों से उसने खाना भी नहीं खाया था। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे युवक ने डायल 112 पर फोन करके सूचना दी कि उसकी मां को किसी ने गोली मार दी है। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उसकी मां सुरक्षित मिलीं और उन्होंने बताया कि राजू कई दिनों से बहकी-बहकी बातें कर रहा है और परिजन उसे डॉक्टर के पास भी ले गए थे।

भाई ने जताया हत्या का शक, शरीर पर मिले निशान - दूसर ओर मृतक के भाई हेमराज का कहना है कि शायद राजू का कुछ लोगो से विवाद हुआ था और उन्होंने मारपीट की थी। शव पर मिले चोटों के निशान को देखते हुए परिजनों ने इसे हत्या का मामला मान रहे हैं और जांच की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। मौत के असली कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा।

ब्लेड से खुद के हाथ काटे, बोला-कोई और मारता तो खुद मार ली - इसके बाद मंगलवार रात करीब 12 बजे राजू ने बस स्टैंड के पास खुद को ब्लेड मारकर घायल कर लिया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब बयान लिए तो युवक ने बोला कोई उसे मारने वाला था, इससे पहले कोई और उसे मारता, इसलिए खुद को उसने ब्लेड मार लिया। पुलिस ने देर रात उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से वह बिना बताए निकल गया। इसके बाद बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे पुलिस को शनिचरी चौकी परिसर में उसका शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें वह अकेले ही भागता दिख रहा है। माना जा रहा है कि भागते समय वह ठोकर खाकर गिरा और चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

पुलिस जांच में जुटी- परिजनों ने थाने में हत्या की आंशका संबंधी किसी प्रकार के बयान नहीं दिए हैं. फिलहाल मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच की जाएंगी। युवक को नशे की लत थी और कई दिनों से खाना भी नहीं खाया था। मां को गोली मारने की झूठी सूचना भी पुलिस को दी थी।- नीरज जैन, चौकी प्रभारी, शनिचरी

विवादों में घिरा सागर की महिला पार्षद पति का जन्मदिन, तलवार से केक काटते वीडियो वायरल

भाजपा पार्षद किश्वर खान के पति रशीद उर्फ बबलू कमानी ने अपने जन्मदिन पर तलवार से केक काटा। अपने सोशल मीडिया पर उठ रहे कानून व्यवस्था पर सवाल।

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | मध्य प्रदेश के सागर शहर के शुक्रवारी वार्ड से भाजपा की पार्षद किश्वर खान के पति रशीद उर्फ बबलू कमानी का जन्मदिन समारोह विवादों में घिर गया है। सार्वजनिक क्षेत्र में तलवार लहराने और उसी तलवार से केक काटते हुए उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सार्वजनिक स्थान पर हथियार प्रदर्शन को लेकर कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

बता दें कि, रशीद उर्फ बबलू कमानी के जन्मदिन पर देर रात सड़क पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक जमा हुए। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि, कभी वो हाथ से तलवार लहरा रहे हैं तो कुछ देर बाद उसी तलवार से अपने जन्मदिन पर केक काटते नजर आ रहे हैं। खास बात ये है कि, इस दौरान कांग्रेस से पार्षद वसीम खान भी उनके साथ मौजूद नजर आए। आयोजन का यह तरीका अब पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गया है।

बर्थडे पार्टी का वीडियो वायरल - सार्वजनिक स्थल पर खुले आम हथियार प्रदर्शन और उसके साथ जश्न मनाने की घटना ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे भौकाल बताते हुए तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

पार्षद पति का विवादित अतीत - बबलू कमानी पहले भी सुर्खियों में रह चुके हैं। पीली कोठी कमेटी के अध्यक्ष बादशाह खान हत्याकांड में उनका नाम सामने आने के बाद वे लंबे समय तक जेल में रह चुके हैं। हालिया वीडियो के बाद पुराने विवाद एक बार फिर ताजा हो गए हैं और उनकी छवि पर नए सवाल खड़े हो रहे हैं।

कानून-व्यवस्था पर उठे सवाल - फिलहाल पुलिस ने इस वीडियो के आधार पर कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया है, सार्वजनिक स्थान पर हथियार प्रदर्शन के मामले में वैधानिक कार्रवाई संभव है। दूसरी ओर, अनुशासन की बात करने वाली भाजपा पार्टी अब अपने स्थानीय पार्षद और उनके परिवार पर क्या कार्रवाई करती है, यह देखने वाली बात होगी।

शहर में जारी बहस - यह घटना सागर शहर में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। आम नागरिकों का कहना है कि नेता और उनके परिजनों को कानून का सम्मान करना चाहिए। ऐसे आयोजनों से युवाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस पर भी चिंता जताई जा रही है। मामले पर आगे की पुलिस कार्रवाई और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

पीजी कॉलेज की लेडी प्रिंसिपल की अमर्यादित भाषा, बीना में लिपिक के घर में घुसकर गाली-गलौज करते CCTV में कैद

लिपिक का आरोप- प्राचार्य झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दे रहीं, थाना प्रभारी और एसडीओपी से की शिकायत, महिला प्राचार्य पर मामला दर्ज।

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | मध्यप्रदेश के सागर जिले के बीना में शासकीय पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया पर प्रभारी मुख्य लिपिक ने घर में घुसकर गाली-गलौज करने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी और एसडीओपी से शिकायत की है। साथ ही एक अतिथि विद्वान ने भी प्राचार्य की शिकायत अतिरिक्त संचालक से कर गंभीर आरोप लगाए हैं। इन दोनों शिकायतों के आधार पर पुलिस ने प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया पर मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है। लिपिक के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे का एक फुटेज भी सामने आया है जिसमें प्राचार्य अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौच करते दिखाई और सुनाई दे रही हैं।

सीसीटीवी में कैद लेडी प्रिंसिपल की हरकत - प्रभारी लिपिक अनीता रोहित ने शिकायत पत्र में उल्लेख किया है कि प्राचार्य द्वारा उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी वार्ड में उन्होंने अतिथि विद्वान जितेन्द्र खांडेराव के साथ आधा-आधा मकान खरीदा है, जहां प्राचार्य उनके घर में घुसकर झगड़ा करती हैं। तबीयत खराब होने के कारण वह मंगलवार को अस्पताल में इलाज कराने गई थीं और छुट्टी पर थीं। सुबह 11.30 बजे प्राचार्य घर में जबरन घुस रही थीं और जब मना किया तो गाली-गलौज करते हुए झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी दी है। लेडी प्रिंसिपल की पूरी हरकत घर के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हुई है।

घर पर कब्जा करना चाहती हैं प्राचार्य- लिपिक - लिपिक अनीता रोहित ने प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया पर आरोप लगाया है कि प्राचार्य उनके घर पर कब्जा करना चाहती हैं। प्राचार्य ने सीआर खराब करने की धमकी दी है और प्रशासनिक प्रक्रिया में फंसाने की भी धमकी दी जा रही है। साथ ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को भेजकर घर की निगरानी कराई जा रही है और गुंडा बुलाकर मकान खाली कराने की बात कहती हैं। महिला कर्मचारी ने जान का खतरा भी बताया है और इस मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की है। प्राचार्य द्वारा गाली-गलौज करने पर महिला कर्मचारी पीछे के दरवाजे से छोटी बजरिया पुलिस चौकी पहुंची थीं और चौकी प्रभारी आरके जोरम को पूरा घटनाक्रम बताया और फिर पुलिस मौके पर पहुंची थी।

मानसिक रूप से किया जा रहा प्रताड़ित- अतिथि विद्वान - वहीं, अतिथि विद्वान जितेन्द्र खांडेराव ने अतिरिक्त संचालक से शिकायत कर प्राचार्य पर मानसिक प्रताड़ित करने और मकान खाली कराने का दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया है। ऐसा न करने पर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के महिला व पुरुष कर्मचारियों से भी झूठी शिकायत कराने की धमकी दी जा रही है। साथ ही अभद्रता की जाती है। प्राचार्य की धमकी से वह असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अतिथि विद्वान ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सुरक्षा देने और प्राचार्य पर कार्रवाई करने की मांग की है।

प्राचार्य ने आरोपों को बताया झूठा - सीसीटीवी में भले ही प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया की अमर्यादित भाषा साफ सुनाई दे रही है लेकिन वो इस बात से साफ इंकार कर रही हैं। अपने ऊपर लग रहे आरोपों को नकारते हुए प्राचार्य ने कहा है- लिपिक के फोन न उठाने पर वह उनके घर गईं थीं, क्योंकि जरूरी काम था। अतिथि विद्वान पढ़ाई कराने की जगह लिपिक के कार्यालय में बैठते थे, जिससे उन्हें अपने विभाग में जाकर पढ़ाने के लिए कहा गया था, जिससे झूठे आरोप लगवाए जा रहे हैं। मेरे द्वारा न अभद्रता की गई है और न ही मकान खाली कराने का कोई दबाव बनाया गया है।

जिला पंचायत सीईओ ने विभिन्न स्कूलों का किया निरीक्षण

» बच्चों की उपस्थिति कम मिलने एवं शैक्षणिक स्तर भी ठीक नहीं मिलने पर कार्यवाही के निर्देश*।
» मीनू अनुसार मध्यान्ह भोजन भी मिलने पर समूह पर कार्यवाही के निर्देश*
» *शिक्षण गुणवत्ता में सुधार के निर्देश*

• सागर, प्रतिनिधि

छतरपुर | कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया एवं डीपीसी अरुण शंकर पांडे द्वारा मंगलवार को विकासखंड ईशानगर अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्र उपस्थिति, शैक्षणिक स्तर एवं मध्यान्ह भोजन व्यवस्था में कई अनियमितताएं सामने आईं।

निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला परा में विद्यार्थियों की उपस्थिति अत्यंत कम पाई गई। यह भी पाया गया कि शिक्षकों द्वारा छात्र उपस्थिति बढ़ाने के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। प्राथमिक शाला पिपौराकला में भी छात्र उपस्थिति कम होने के साथ-साथ विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। वहीं मध्यान्ह भोजन निर्धारित मीनू के अनुसार नहीं परोसा जा रहा था, जिससे संबंधित स्व-सहायता समूह द्वारा लापरवाही बरते जाने की पुष्टि हुई।

माध्यमिक शाला खड़गॉय में विद्यार्थियों की उपस्थिति नियमानुसार दर्ज नहीं की जा रही थी। साथ ही मध्यान्ह भोजन योजना में उपयोग की जा रही बर्तन सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई।

प्राथमिक शाला रसोइया ठाकरुन में दर्ज 19 विद्यार्थियों में से केवल 2 छात्र ही उपस्थित मिले। उपस्थित विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर अत्यंत कमजोर पाया गया। साथ ही शिक्षकों का अकादमिक प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं मिला।

निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संबंधित शाला प्रभारियों एवं शिक्षकों को विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, शिक्षण गुणवत्ता में सुधार लाने तथा शैक्षणिक स्तर बेहतर करने के निर्देश दिए। संयुक्त निरीक्षण में शिक्षकों की लापरवाही पाए जाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। वहीं मध्यान्ह भोजन में निर्धारित मीनू का पालन नहीं करने पर संबंधित समूह के विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा जिला चिकित्सालय, नरसिंहपुर को सीएसआर के तहत चिकित्सा उपकरणों का लोकार्पण

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा ।

(राजेश नीरस) एनटीपीसी गाडरवारा ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय, नरसिंहपुर को लगभग 3.50 करोड़ मूल्य के अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण प्रदान किए। इन उपकरणों का लोकार्पण दर्शन सिंह चौधरी, सांसद (होशंगाबाद लोकसभा क्षेत्र) द्वारा कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

इस पहल के तहत अस्पताल को एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, डिजिटल बी.पी. उपकरण, क्रैश कार्ट, ईसीजी मशीनें, फीटल डॉप्लर, इन्फेंट/रेडिएंट वार्मर, लैप्रोस्कोपी सिस्टम, मल्टीपारा मॉनिटर, ऑपरेटिंग टेबल, पेशेंट स्ट्रेचर तथा सक्शन मशीनें उपलब्ध कराई गईं। इन आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने, मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित आपातकालीन एवं शल्य चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है। यह पहल समाज के प्रति एनटीपीसी गाडरवारा की प्रतिबद्धता और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उसके सतत प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

पॉलीथिन उपयोग करने वालों की खैर नहीं, 10 हजार से अधिक का किया जुर्माना, पॉलीथिन भी हुई जब्त

अवैध रूप से अतिक्रमण हटाने की भी जारी रहेगी मुहिम- सीएमओ

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा*।

(राजेश नीरस) शासन के निर्देष के परिपालन में पॉलीथिन उपयोग पर प्रतिबंध के बाबजूद पॉलीथिन का उपयोग करने पर नपा सीएमओ श्रीमति रितु मेहरा ने स्वयं नपा अमले के साथ मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्र में पहुंचकर जुर्माना की कार्यवाही करते हुये बड़ी मात्रा में पॉलीथिन जब्त की। इसके साथ ही पॉलीथिन का उपयोग करते पाये जाने पर 10 हजार 600 रूपये जुर्माने की कार्यवाही की है।

उल्लेखनीय है कि नगर में शासन के आदेश के बाबजूद जमकर पॉलीथिन का उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रदूषण की संभावना लगातार बनी हुई है। शासन के स्पष्ट आदेश के बाबजूद पॉलीथिन विक्रय से लेकर पॉलीथिन का उपयोग करने की लगातार शिकायत मिल रहीं है। इसी तारतम्य में उक्त कार्यवाही की गई जिससे पॉलीथिन का उपयोग करने वालों में हड़कम्प की स्थिति देखी गई। नगर पालिका द्वारा यह कार्यवाही सतत रूप से जारी रहेगी।

अतिक्रमण हटाने की जारी रहेगी मुहिम

नवागत सीएमओ श्रीमति रितु मेहरा ने बताया कि अभी कुछ समय पहले जिस तर्ज पर अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई गई थी, उसी तर्ज पर पुनः अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने समस्त नगर वासियों से अपील की है कि यदि कहीं भी अतिक्रमण है तो स्वयं ही अपने अपने अतिक्रमण को हटा लें अन्यथा की स्थिति में जेसीबी मसीन से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

ई ओ डब्लू की कार्रवाई से गाडरवारा नगर में हड़कंप

रिटायर्ड सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्र ढिमोले के घर छापा, आय से अधिक संपत्ति की जांच

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

(राजेश नीरस)शुक्रवार सुबह गाडरवारा नगर में उस समय हड़कंप मच गया जब ईओडब्लू यानी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की 15 सदस्यीय टीम ने रिटायर्ड सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्र ढीमोले के घर छापा मार दिया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई इस कार्रवाई से पालिका के कई अधिकारी-कर्मचारी सकते में आ गए।

ईओडब्लू की टीम शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे गाडरवारा की एम पी ई बी कॉलोनी स्थित ढीमोले के आवास पर पहुंची। टीम ने घर के सभी कमरों, अलमारी और लॉकर की तलाशी शुरू कर दी। टीम में महिला पुलिस भी शामिल थी । दस्तावेजों की जांच के साथ ही परिवार के सदस्यों से पूछताछ भी की गई। छापे की भनक लगते ही आसपास भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार योगेंद्र ढीमोले 30 अप्रैल 2026 को गाडरवारा नगर पालिका से सहायक राजस्व निरीक्षक पद से रिटायर्ड हुए थे। इससे पहले वे लखनादौन नगर पालिका में कई वर्षों तक CMO के पद पर पदस्थ रहे। लखनादौन में पदस्थापना के दौरान उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत ईओडब्लू को मिली थी। शिकायत के आधार पर ईओडब्लू ने जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में आय से अधिक संपत्ति के प्राथमिक तथ्य मिलने पर नरसिंहपुर न्यायालय से तलाशी वारंट लेकर टीम गाडरवारा पहुंची।

प्रारंभिक जांच में ईओडब्लू टीम को ढीमोले की कई चल-अचल संपत्तियों का पता चला है गाडरवारा एम पी ई बी कालोनी में 2 प्लॉट पर बने आलीशान मकान , लखनादौन में 1 खाली प्लॉट 2 कृषि भूमि, 1 दुकान, 1 थार, 1 कार, 3 मोटर साइकिल और 1 ट्रैक्टर मिला है । अभी भी टीम बैंक खातों, निवेश, लॉकर और अन्य दस्तावेजों की जांच में जुटी है। ईओडब्लू अधिकारियों का कहना है कि संपत्तियों का वैल्यूएशन और आय के स्रोतों का मिलान किया जा रहा है। छापे की खबर मिलते ही गाडरवारा नगर पालिका कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। कई अधिकारी-कर्मचारी एक-दूसरे से कार्रवाई के बारे में पूछते नजर आए। रिटायर्ड कर्मी के घर ईओडब्लू की दबिश से सक्रिय कर्मचारियों में भी बेचैनी देखी गई।

ईओडब्लू के एक अधिकारी ने बताया की जांच अभी प्रारंभिक स्तर पर है। सभी दस्तावेजों का परीक्षण के बाद ही आय से अधिक संपत्ति की सही गणना हो पाएगी। दोषी पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। लखनादौन नगर पालिका से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। जांच अभी भी जारी है ।

कांग्रेस समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

(राजेश नीरस) विगत दिवस नगर के एक निजी होटल में जिला कांग्रेस समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कार्यालय निर्माण तथा किसानों की मूंग खरीदी से संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने एवं जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिला प्रभारी आलोक मिश्रा , जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल , जिला संगठन प्रभारी महासचिव दीवान शैलेन्द्र सिंह , गाडरवारा विधानसभा प्रभारी राजेंद्र तोमर जी, पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा , पूर्व विधायक श्री दीनदयाल ढीमोले , पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र पटेल , पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लाखन सिंह पटेल जी, प्रदेश सचिव मनीष राय , राजीव गांधी पंचायती राज संगठन अध्यक्ष मोना कौरव , किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष पटेल जी, नगरपालिका प्रतिपक्ष नेता जिनेश जैन जी, नेता प्रतिपक्ष रुद्रेश तिवारी , जनपद अध्यक्ष श्रीमती राधा अहिरवार , जिला कांग्रेस आईटी सेल अध्यक्ष सत्यव्रत कौरव हरिसिंह अहिरवार सहित जिला समन्वय समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का साल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल ने नवनियुक्त कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने, किसानों की मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित कराने तथा राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने तथा एकजुट होकर पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया। जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी महासचिव दीवान शैलेन्द्र सिंह ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर जोर देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय और समर्पण के साथ कार्य करें तथा कांग्रेस संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के समस्त नवनियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण बने आनंदोत्सव, हर विद्यार्थी की हो सहभागिता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय प्रदेश के सभी नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विद्यालयों का लोकार्पण औपचारिक कार्यक्रम न होकर शिक्षा, संस्कृति और जनभागीदारी का सामाजिक उत्सव बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संचालित 'स्कूल चलें अभियान' के दौरान आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण आनंद के उत्सव के रूप में मनाया जाए। यह नए भवनों के उद्घाटन के साथ हमारे नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए अध्याय का शुभारंभ है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों को यादगार बनाने के लिए बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएँ। साथ ही सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहार एवं मिष्ठान्न वितरित किया जाए, जिससे यह अवसर उनके लिए अविस्मरणीय बन सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु सांदीपनि के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित एक लघु पुस्तिका (पॉकेट बुक) प्रकाशित कर विद्यार्थियों में वितरित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरु सांदीपनि तत्समय सामाजिक समरसता के सबसे बड़े पैरोकार थे।

उन्होंने जाति, वर्ग, रंग का भेद न करके अमीर-गरीब से लेकर राज परिवार के बच्चों सहित गरीबों और किसानों के बच्चों को शिक्षा-दीक्षा दी। सभी को समान रूप से दीक्षित किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में हम सबके विशेषकर विद्यार्थियों को जानना जरूरी है। इससे विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंधों और नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी और प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण पहले ही हो चुका है, वहाँ प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों का विद्यालयों से जुड़ाव बढ़े।

उन्होंने अधिकारियों से सभी तैयारियाँ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण, संस्कारयुक्त और आधुनिक शिक्षा का आदर्श केंद्र बने। बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह तथा स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने वर्चुअली सहभागिता की।

विद्यार्थी हित, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर आधारित कार्य संस्कृति विकसित करें विश्वविद्यालय : मंत्री श्री परमार

भोपाल | उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि ऐसे ज्ञान केंद्र हैं, जहाँ समाज की समस्याओं का समाधान करने वाले श्रेष्ठ, संवेदनशील, नैतिक एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल रोजगार के योग्य बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम, उत्तरदायी एवं नवाचारी बनाना है। विश्वविद्यालयों को इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा। मंत्री श्री परमार बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित 'शिक्षा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य सभी विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध, नवाचार, सुशासन एवं विद्यार्थी-केंद्रित व्यवस्था के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करना है। विश्वविद्यालयों की कार्य संस्कृति ऐसी होनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक निर्णय विद्यार्थी हित, गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया जाए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज को दिशा देने वाले सशक्त शैक्षणिक संस्थान बनें।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि आदर्श विश्वविद्यालय वही है, जहाँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, समयबद्ध शैक्षणिक गतिविधियाँ, अनुशासित व्यवस्था, शोध की सशक्त संस्कृति, नवाचार तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए, जहाँ विद्यार्थी केवल डिग्री प्राप्त न करें, बल्कि समाज एवं राष्ट्र की चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने वाले सक्षम नागरिक बनकर निकलें।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्राध्यापकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 'सार्थक ऐप' का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है, जिससे शिक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों की उपस्थिति भी 'सार्थक ऐप' के माध्यम से दर्ज की जायेगी, जिससे नियमित उपस्थिति, अनुशासन, कक्षाओं में सहभागिता तथा शिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

खिवनी किंग के आगे के पैर टूटे, पंजों में फ्रैक्चर, पिछले पैर में लगे छह टांके, वन विहार में जिंदगी की जंग लड़ रहा बाघ 'युवराज'

एमपी के वन विहार में खिवनी जंगल के राजा 'युवराज' को बचाने के लिए डॉक्टर जी—जान से जुटे हैं। टेरिटोरियल फाइट में 10 साल का दबंग टाइगर लहूलुहान हो गया था। उसके आगे के दोनों आगे के पंजों में फ्रैक्चर और पिछले बाएं पैर में गहरा घाव मिला है। उसे टांके लगाए गए हैं। भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में उसकी सर्जरी की गई है...

भोपाल | मध्य प्रदेश के देवास जिले में स्थित खिवनी अभयारण्य के घायल दबंग टाइगर युवराज को लेकर बड़ी खबर है। आपसी संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हुए नर बाघ 'युवराज' को इलाज के लिए भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान लाया गया है। वरिष्ठ वन अधिकारियों के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बाघ को 27 जून 2026 को रेस्क्यू किया गया था, जिसका अब भोपाल के रेस्क्यू सेंटर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में सघन उपचार चल रहा है।

एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि, पिछले पैर में आए 6 टांके

वन विहार प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को राज्य पशु चिकित्सालय के वरिष्ठ वेटरिनरी सर्जन डॉ. एसके तुमड़िया, वन विहार के वरिष्ठ वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अतुल गुप्ता और पशु चिकित्सक डॉ. विनीत की संयुक्त टीम ने बाघ 'युवराज' का विस्तृत चिकित्सकीय परीक्षण किया।

खिवनी अभयारण्य में आपसी संघर्ष में घायल हुआ बाघ 'युवराज'

- 27 जून को रेस्क्यू कर वन विहार भोपाल लाया गया
- दोनों आगे के पंजों में फ्रैक्चर की पुष्टि
- पिछले बाएं पैर में गहरा घाव, लगाए गए 6 टांके
- विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जारी है उपचार

प्रारंभिक जांच में बाघ की हालत काफी गंभीर पाई गई है। उसके पंजों में फ्रैक्चर है। एक्स-रे रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि बाघ युवराज के आगे के दोनों पंजों में फ्रैक्चर है। वहीं बाघ के आगे के दोनों पैरों और पिछले बाएं पैर में काफी गहरे घाव हैं। पिछले बाएं पैर के गहरे घाव को ठीक करने के लिए डॉक्टरों को 6 टांके लगाने पड़े हैं।

डॉक्टरों और अधिकारियों की टीम रख रही है पैनी नजर

इलाज के दौरान बाघ की हर गतिविधि पर 24 घंटे लगातार नजर रखी जा रही है। डॉ. अतुल गुप्ता स्वयं घायल बाघ की स्थिति की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं और उसकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप ही आवश्यक दवाएं और चिकित्सकीय देखभाल दी जा रही है।

इस महत्वपूर्ण मेडिकल निरीक्षण के दौरान वन विहार के संचालक विजय कुमार, सहायक संचालक डॉ. रूही हक तथा सफारी प्रभारी सीता काकोड़िया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, ताकि बाघ के उपचार में किसी भी तरह की कमी न रहे।

|| संपादकीय ||

दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

पहले पाकिस्तान के रास्ते अरब सागर तक पहुंच बनाई, अब बांग्लादेश के सहारे बंगाल की खाड़ी पर लगी चीन की नजर

> चीन और बांग्लादेश के बीच केवल व्यापारिक रिश्ते ही नहीं बढ़ रहे, बल्कि रक्षा और कूटनीतिक सहयोग भी तेजी से गहरा रहा है। दोनों देशों ने विदेश और रक्षा मंत्रालयों के बीच 2 प्लस 2 संवाद तंत्र बनाने पर सहमति जताई है।

दक्षिण एशिया में चीन ने अब भारत की पूर्वी सीमा पर नया सामरिक दांव चल दिया है। पाकिस्तान के रास्ते अरब सागर तक पहुंच बनाने वाले चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के बाद अब बीजिंग की नजर बंगाल की खाड़ी पर है। हम आपको बता दें कि चीन ने बांग्लादेश और म्यांमार को जोड़ते हुए एक नए आर्थिक गलियारे का प्रस्ताव रखा है, जो यदि आकार लेता है तो भारत के पूर्वी समुद्री क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बदल सकता है। यह केवल व्यापार और परिवहन का मामला नहीं है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की दीर्घकालिक सामरिक घेराबंदी की योजना का अगला चरण माना जा रहा है।

यह प्रस्ताव बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की हालिया चीन यात्रा के दौरान सामने आया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस पहल को खुला समर्थन दिया। योजना के तहत चीन के युन्नान प्रांत के कुनमिंग को म्यांमार के रास्ते बांग्लादेश के चट्टोग्राम, काक्स बाजार और मोंगला बंदरगाहों से जोड़ने की बात है। सड़क, रेल, जलमार्ग और बहुस्तरीय परिवहन नेटवर्क के जरिये यह गलियारा चीन को सीधे बंगाल की खाड़ी तक पहुंच दिला सकता है।

चीन के राजदूत याओ वेन ने साफ कहा कि यह पहल किसी एक देश तक सीमित नहीं है और यदि अन्य देश चाहें तो इसमें शामिल हो सकते हैं। यह बयान सीधे भारत की ओर संकेत माना जा रहा है। दरअसल यह वही विचार है जिसे पहले बांग्लादेश, चीन, भारत, म्यांमार आर्थिक गलियारे के रूप में आगे बढ़ाया गया था, लेकिन भारत की आपत्तियों और चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना को लेकर संदेह के कारण वह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। अब चीन ने भारत को अलग रखते हुए तीन देशों वाला नया विकल्प सामने रख दिया है।

बांग्लादेश इस परियोजना को आर्थिक अवसर के रूप में पेश कर रहा है। ढाका का दावा है कि इससे व्यापार बढ़ेगा, बंदरगाह आधुनिक होंगे और चीन तथा दक्षिण पूर्व एशिया के बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी। खास बात यह है कि मोंगला बंदरगाह से सटे जिस आर्थिक क्षेत्र को पहले भारत समर्थित परियोजना के लिए चिन्हित किया गया था, उसे बांग्लादेश की सरकार ने हटाकर अब चीन समर्थित कंपनी को सौंप दिया है। यह फैसला नई दिल्ली के लिए स्पष्ट रणनीतिक संकेत है कि ढाका अब बीजिंग के और करीब जा रहा है।

चीन और बांग्लादेश के बीच केवल व्यापारिक रिश्ते ही नहीं बढ़ रहे, बल्कि रक्षा और कूटनीतिक सहयोग भी तेजी से गहरा रहा है। दोनों देशों ने विदेश और रक्षा मंत्रालयों के बीच 2 प्लस 2 संवाद तंत्र बनाने पर सहमति जताई है। तीस्ता नदी परियोजना, लालमोनिरहाट हवाई अड्डे के विकास, ड्रोन निर्माण संयंत्र और तकनीकी हस्तांतरण जैसे समझौते भारत की सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहे हैं। खासकर भारत की पूर्वी सीमा के नजदीक चीनी उपस्थिति को नई दिल्ली बेहद गंभीरता से देख रही है।

हालांकि इस महत्वाकांक्षी गलियारे के सामने सबसे बड़ी बाधा म्यांमार है। जिस रास्ते से यह परियोजना गुजरनी है, वहां गृहयुद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। रखाइन प्रांत, जहां चीन समर्थित क्याकफ्यू गहरे समुद्री बंदरगाह की परियोजना चल रही है, वह भीषण संघर्ष की चपेट में है। म्यांमार की सैन्य सत्ता कई रणनीतिक इलाकों पर अपना नियंत्रण खो चुकी है। सुरक्षा हालात इतने खराब हैं कि चीन समर्थित ऊर्जा परियोजनियों को भी हटाना पड़ा है। ऐसे में सड़क और रेल संपर्क का सपना फिलहाल जमीन पर उतरता नहीं दिखता।

देखा जाये तो भारत के लिए इस प्रस्ताव को हल्के में लेना भारी भूल होगी। चीन की रणनीति साफ है। पश्चिम में पाकिस्तान के जरिये अरब सागर तक पहुंच और पूर्व में म्यांमार तथा बांग्लादेश के जरिये बंगाल की खाड़ी तक पहुंच बनाकर वह भारत को समुद्री और भू रणनीतिक दबाव में लाना चाहता है। यह पहल मलक्का जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने की चीनी कोशिश का भी हिस्सा मानी जा रही है। यदि चीन को बंगाल की खाड़ी तक निर्बाध पहुंच मिलती है तो हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी नौसैनिक सक्रियता और बढ़ सकती है।

रणनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सिर्फ आर्थिक गलियारा नहीं, बल्कि चीन की समुद्री रेशम मार्ग नीति का विस्तार है। चीन बंदरगाहों, औद्योगिक क्षेत्रों और परिवहन नेटवर्क के जरिये दक्षिण एशिया में स्थायी प्रभाव स्थापित करना चाहता है। पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह के बाद अब मोंगला, चट्टोग्राम और क्याकफ्यू जैसे ठिकाने चीन की समुद्री रणनीति के नए स्तंभ बन सकते हैं।

देखा जाये तो नई दिल्ली के सामने चुनौती दोहरी है। एक ओर उसे अपने पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन बनाए रखना है, दूसरी ओर बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ विश्वास और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना है। यदि भारत इस बदलते भू-रणनीतिक परिदृश्य को समय रहते नहीं समझता, तो दक्षिण एशिया में चीन की पकड़ और मजबूत हो सकती है। फिलहाल यह परियोजना प्रस्ताव के स्तर पर है, लेकिन इसका संदेश बेहद स्पष्ट है। चीन दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का नया नक्शा तैयार कर रहा है, और भारत की पूर्वी सीमा अब उस भू-राजनीतिक मुकाबले का अगला मोर्चा बनने जा रही है।

• नीरज कुमार दुबे
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ये पाकिस्तान के पैरोकार

भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? राजनयिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, पेशेवर रिश्ते क्यों बहाल करे? एक आतंकिस्तान देश को सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के जरिए मुहब्बत का इजहार करना चाहिए? जो 117 चेहरे आज पाकिस्तान की पैरवी कर रहे हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? क्या वे पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों' की कुर्बानी भूल गए? क्या उरी से लेकर 26/11 मुंबई आतंकी हमले तक पाकपरस्त शैतानों और हत्यारों की साजिशें भी भूल गए? क्या इन पैरोकारों ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? आखिर भारत की मजबूरी क्या है, जो वह पाकिस्तान की आतंकी, हत्यारी हुकूमत के साथ बातचीत करे? इस भूखे, नंगे, कर्जदार देश के पल्ले क्या है, जो वह भारत को मुहैया करा सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की बहाली के बाद सरहदों पर तनाव ठहर जाएगा? सीमापार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएंगे? सांप की फितरत बदली है कभी? जिन 117 लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और कथित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिख कर भारत-पाक संवाद और बेहतर, कारगर संबंधों की गुहार की है, उनमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर गुहार की थी कि मोदी सरकार हटाने में मदद करें। यह नवंबर, 2015 का वाकया है। दोनों कथित कांग्रेस नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत-पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। अब पैरोकारों की सूची में शामिल हैं, तो वह बिल्कुल बेमानी है।

खुफिया एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुल्लत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की रूह तक से वाकिफ हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। ओपी शाह, मनोज झा, जवाहर सरकार आदि कितने बड़े कूटनीतिज्ञ हैं, यह हम नहीं जानते, लेकिन सूची में जो 61 नाम भारतीयों के हैं, वे यकीनन प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर विरोधी हैं और पाकपरस्त चेहरे हैं। आज उन्हें कौन पूछता है? क्या प्रासंगिकता है इनकी? क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? उनके अड्डे खत्म किए जाएं। हुकूमत और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें 'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। दरअसल आतंकवाद का जिक्र जब भी होता है, तो ये पैरोकार हकलाने लगते हैं या गाली की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। अरे, पाकिस्तान के मंत्री धमकी दे रहे हैं कि हमने 130 परमाणु हथियार भारत के लिए रखे हैं। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। एक नापाक मंत्री ने यहां तक कह दिया कि पानी को हाथ लगाया, तो हाथ तोड़ देंगे। पाकिस्तान के कथित उपप्रधानमंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी-मलबा कर दिया गया था? बहरहाल ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की हुकूमत से भारत बात करेगा! क्यों करेगा? क्या ये 117 'रिटायर्ड चेहरे' भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40,000 से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ-मंदिर ध्वस्त किए हैं? औरतों की आबरू, अस्मत लूटी है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी रिश्ते बेहतर चाहते हैं? अवाम को तो आटा, दाल, चावल, चीनी, फल-सब्जी भी मयस्सर नहीं है।

टेक्नोलॉजी

अब फोन में ही सेव होगा आपका Digital Signature! Google ला रहा नया ऐप, जानें यूजर्स को क्या होगा फायदा

गूगल लगातार यूजर्स की प्राइवेसी के लिए नए-नए फीचर्स पेश कर रही है. इसी कड़ी में गूगल अब एक नए ऐप को जल्द ही यूजर्स के लिए पेश करने वाली है जिसकी मदद से अब लोग अपना डिजिटल सिग्नेचर फोन में ही सेव कर सकेंगे. जी हां, दरअसल, गूगल एक नया Signatures ऐप रोलआउट कर रही है जिसकी मदद से यूजर्स अपने स्मार्टफोन में डिजिटल सिग्नेचर को सेफ रख सकेंगे.

क्या है Google का नया ऐप - मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल के नए Signatures ऐप का यूजर्स की सुविधा के लिए तैयार किया जा रहा है. इस ऐप का मेन उद्देश्य यूजर्स की सेफ्टी है. दरअसल, इस ऐप आपके डिजिटल सिग्नेचर को आपके फोन में सेव करके रखेगा. साथ ही यूजर को इसमें कई तरीकों से अपने सिग्नेचर को तैयार करने का ऑप्शन मिलेगा. इस ऐप की मदद से यूजर स्क्रीन पर हाथ से सिग्नेचर बना सकते हैं, पहले से मौजूद सिग्नेचर की फोटो अपलोड कर सकते हैं या फिर अपना नाम टाइप करके अलग-अलग फॉन्ट स्टाइल में डिजिटल

सिग्नेचर तैयार कर सकते हैं.

इसके अलावा ऐप में आपको अलग-अलग सिग्नेचर सेव करने का भी ऑप्शन मिलेगा. इसकी मदद से आप अपनी जरुरत और अलग-अलग जगहों पर उन सिग्नेचरों का इस्तेमाल कर सकते हैं.

कैसे इस्तेमाल करें ऐप - आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आपके फोन में जून 2026 का Google Play System Update इंस्टॉल है तो आप भी इस नए ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए सबसे पहले Settings में जाकर Google Play System Update चेक करें और नया अपडेट इंस्टॉल करें. इसके बाद ऐप ड्रॉअर में Signatures ऐप दिखाई नहीं देगा.

इसे इस्तेमाल करने के लिए आपको Activity Launcher जैसे ऐप की मदद लेनी होगी. वहां Signature सर्च करने पर इससे जुड़े अलग-अलग ऑप्शन दिखाई देंगे जिनकी मदद से आप नया सिग्नेचर बना सकते हैं और पहले से सेव सिग्नेचर्स को मैनेज कर सकते हैं.

कब मिलेगा पूरी तरह तैयार ऐप - जानकारी के अनुसार, फिलहाल ये ऐप पूरी तरह तैयार नहीं माना जा रहा है. मौजूदा समय में यूजर केवल सिग्नेचर बनाकर सेव कर सकते हैं, उन्हें एडिट या डिलीट कर सकते हैं और Manage Signatures सेक्शन में जाकर उनको मैनेज कर सकते हैं.

रिपोर्ट्स के अनुसार, ये ऐप कुछ Google Pixel, Samsung और OnePlus स्मार्टफोन्स में दिखाई देना शुरू हो गया है. खास बात यह है कि यह किसी Android वर्जन अपडेट के बजाय Google Play System Update के जरिए उपलब्ध कराया जा रहा है.

जनरल नॉलेज

अमेरिकी झंडे में 13 पट्टियां और 50 सितारे ही क्यों हैं? जानिए इसके लाल, सफेद और नीले रंग का असली मतलब

4 जुलाई को अमेरिका अपना स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है. हर साल इस दिन पूरे देश में परेड, आतिशबाजी और अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि ग्रेट ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा करने का निर्णय दो दिन पहले 2 जुलाई 1776 को ही स्वीकृत हो गया था. लेकिन अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस 4 जुलाई को मनाया जाता है. दरअसल कांग्रेस ने 4 जुलाई 1776 को स्वतंत्रता की घोषणा को मंजूरी दी थी. वहीं अमेरिकी स्वतंत्रता की पहली मुद्रित प्रतियों में भी 4 जुलाई 1776 की तिथि अंकित है, जिसके बाद अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस 4 जुलाई को मनाया जाने लगा.

अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा भी अक्सर होती रही है. लाल, सफेद और नीले रंग से बना यह झंडा दुनिया के सबसे आसानी से पहचाने जाने वाले राष्ट्रीय ध्वजों में शामिल है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इसमें 13 पट्टियां और 50 सितारे क्यों होते हैं. नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि अमेरिकी झंडे में 13 पट्टियां और 50 सितारे ही क्यों होते हैं और इसमें शामिल लाल, सफेद और नीले रंग का असली मतलब क्या है.

अमेरिकी झंडे में 13 पट्टियां किसका प्रतीक - अमेरिकी झंडे में बनी 13 लाल और सफेद पटिया उन 13 मूल ब्रिटिश कॉलोनी का प्रतिनिधित्व करती है, जिन्होंने 1776 में ब्रिटेन से आजादी का ऐलान किया था. यही कालोनियां बाद में अमेरिका के पहले राज्यों के रूप में सामने आई. इनमें विर्जीनिया, मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, मैरीलैंड, रोड आइलैंड, कनेक्टिकट, न्यू हैम्पशायर, डेलावेयर, नॉर्थ कैरोलिना, साउथ कैरोलिना, न्यू जर्सी, पेंसिल्वेनिया और जॉर्जिया शामिल थी. देश में चाहे जितने नए राज्य जुड़े हो, लेकिन इन 13 पट्टियों की संख्या कभी नहीं बदली गई. इन्हें अमेरिका की नींव और उसकी शुरुआत का प्रतीक माना जाता है.

अमेरिकी झंडे में 50 सितारों का मतलब - अमेरिकी झंडे के ऊपरी बाएं हिस्से में बने नीले बॉक्स पर मौजूद सफेद सितारे अमेरिका के 50 राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं. शुरुआत में झंडे पर केवल 13 सितारे थे, लेकिन जैसे-जैसे नए राज्य अमेरिका का हिस्सा बनते गए सितारों की संख्या भी बढ़ती गई. 1795 में वरमोंट और केंटकी के शामिल होने के बाद झंडे में 15 सितारे और 15 पट्टियों कर दी गई थी. हालांकि बाद में यह महसूस किया गया कि हर नए राज्य के साथ पट्टियां बढ़ाना व्यावहारिक नहीं होगा. इसके बाद 1818 में पारित फ्लैग एक्ट के तहत तय किया गया कि पट्टियां हमेशा 13 ही रहेगी, जबकि हर नए राज्य के लिए एक नया सितारा जोड़ा जाएगा. वहीं आपको बता दें कि हवाई के शामिल होने के बाद 4 जुलाई 1960 से 50 सितारों वाला मौजूदा अमेरिकी झंडा आधिकारिक रूप से लागू किया गया. वहीं यह अब तक सबसे लंबे समय तक इस्तेमाल किया जाने वाला अमेरिकी झंडा भी है.

भारत रचने जा रहा नया अंतरिक्ष इतिहास! 12 जुलाई से उड़ान भरेगा पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट `विक्रम-1

एजेंसी नई दिल्ली

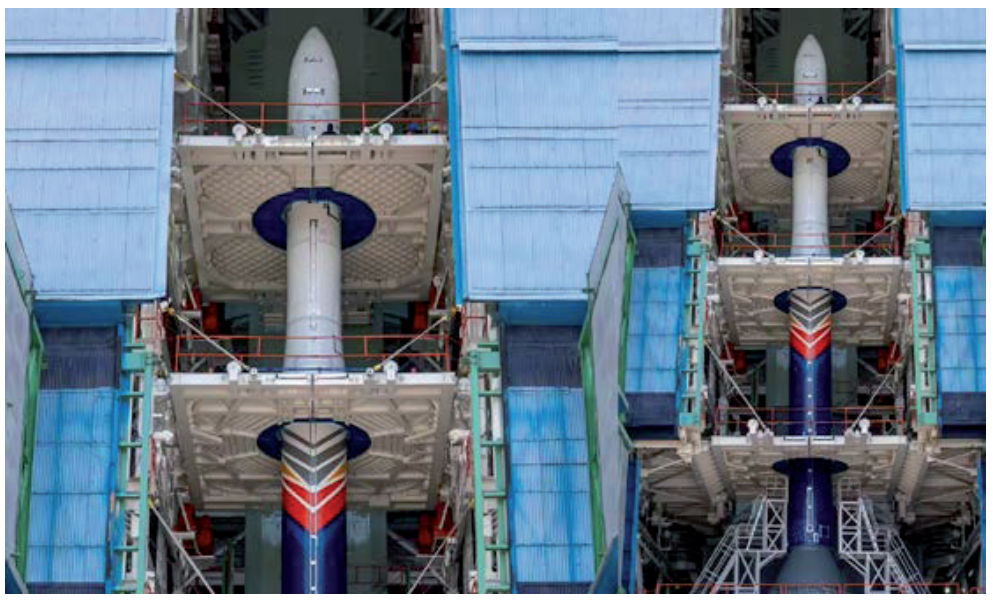

भारत का प्राइवेट स्पेस सेक्टर एक नई ऐतिहासिक छलांग लगाने की तैयारी में है। निजी स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने अपने पहले ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' की टेस्ट फ्लाइट-1 'मिशन आगमन' का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। यह भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च होगा, जो देश के स्पेस सेक्टर के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कंपनी ने बताया कि मिशन की लॉन्च विंडो 12 जुलाई से 4 अगस्त तक निर्धारित की गई है।

स्काईरूट एयरोस्पेस ने बताया कि विक्रम-1 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा के ऐतिहासिक फर्स्ट लॉन्च पैड (FLP) पर पूरी तरह तैयार कर स्थापित कर दिया गया है। अब अंतिम तकनीकी जांच और लॉन्च की तैयारियां चल रही हैं। रॉकेट को 450 किलोमीटर ऊंची लो अर्थ ऑर्बिट में 60 डिग्री झुकाव के साथ स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

कंपनी ने कहा कि 'मिशन आगमन' केवल एक रॉकेट लॉन्च नहीं, बल्कि भारत के निजी अंतरिक्ष कार्यक्रम के नए युग की शुरुआत है। यदि यह मिशन सफल रहता है, तो भारतीय निजी कंपनियों की वैश्विक लॉन्च बाजार में मजबूत मौजूदगी बनेगी और देश की अंतरिक्ष तकनीक को नई पहचान मिलेगी।

लॉन्च पैड पर तैयार है विक्रम-1

स्काईरूट ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि रॉकेट अब लॉन्च पैड पर पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने लिखा कि 'भारतीय अंतरिक्ष उड़ान के नए अध्याय की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।' पोस्ट में रॉकेट की तस्वीरें भी शेयर की गईं, जिनमें लॉन्च की तैयारियां दिखाई गई हैं।

ISRO और IN-SPACe का जताया आभार

स्काईरूट एयरोस्पेस ने इस मिशन को संभव बनाने के लिए इसरो (ISRO) और इन-स्पेस (IN-SPACe) का विशेष आभार व्यक्त किया। कंपनी ने कहा कि दोनों संस्थाओं के सहयोग और मार्गदर्शन से भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

'एक रॉकेट, एक अरब भरोसे'

अपने पोस्ट के अंत में कंपनी ने लिखा, 'एक रॉकेट, एक अरब भरोसे।' यह संदेश इस मिशन से जुड़ी देशवासियों की उम्मीदों और भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है। अब पूरे देश की नजरें 12 जुलाई से शुरू होने वाली लॉन्च विंडो पर टिकी हैं, जब भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरने की कोशिश करेगा।

`पाकिस्तानी सेना ने ही कश्मीरियों के हाथों में थमाई थीं बंदूकें', PoK के नेता का बड़ा कबूलनामा

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में जारी विद्रोह के 24वें दिन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के एक बड़े नेता ने पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है। सरदार अमन खान ने रावलकोट ईदगाह में 80000 से ज्यादा लोगों की भीड़ के सामने पाकिस्तान को ललकारते हुए कहा कि उसी ने कश्मीर में आतंकवाद को फैलाया। उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तानी सेना ही थी, जिसने कश्मीरियों के हाथों में बंदूकें थमाईं। उन्होंने यह भी कहा कि और आज वही पाकिस्तानी सेना हमें आतंकवादी कह रही है। JAAC नेता सरदार अमन खान ने कहा, "पाकिस्तान आर्मी ने ही कश्मीरियों को बंदूकें दी थीं। और आज, उनमें हमें आतंकवादी कहने की हिम्मत है?" उन्होंने पाकिस्तान सरकार और आतंकवादी संगठनों के बीच साठगांठ का भी पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि कैसे रावलकोट के डिप्टी कमिश्नर ने पिछले साल 5 फरवरी को जैश-ए-मोहम्मद के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी और सुरक्षा मुहैया कराई थी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में हथियारों से लैस जैश के आतंकी AK-47 और तलवारें लेकर शहर में मार्च कर रहे थे। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई दिनों से अशांति है। महीनों से अपनी वैध मांग को लेकर डटे लोगों पर पाकिस्तानी सैन्य बलों ने बल का प्रयोग भी किया। कई मारे भी गए। बिगड़े माहौल के बीच ही जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेता शौकत नवाज मीर को गिरफ्तार कर लिया गया। कमेटी ने कहा है कि गिरफ्तारी से आंदोलन कमजोर नहीं होगा, बल्कि और अधिक मजबूत होगा। पीओके में हालात पहले से ही तनावपूर्ण बने हुए हैं, जहां प्रदर्शनकारी अपनी वैध मांगों को लेकर धरना जारी रखे हुए हैं। इसी बीच सरकार द्वारा जेएएसी पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। जेएएसी ने आरोप लगाया कि मीर को धरना स्थल तक पहुंचने से पहले ही एक संयुक्त अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया, जिसमें खुफिया एजेंसियां, पुलिस और अन्य सुरक्षा इकाइयां शामिल थीं। संगठन ने कहा, "यदि शौकत नवाज मीर धरना स्थल पर पहुंच जाते तो आंदोलन को और अधिक जनसमर्थन मिलता और लोगों का उत्साह बढ़ता। हालांकि, जेएएसी ने यह भी कहा कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं है और यह पूरे जनता का आंदोलन है।" जेएएसी ने दावा किया कि मीर की गिरफ्तारी के बावजूद आंदोलन जारी रहेगा और यह पहले से अधिक मजबूत होकर उभरेगा। संगठन ने कहा कि गिरफ्तारियां इस आंदोलन को दबा नहीं सकतीं।

टकराव, बंटवारा... जापानी पीएम सनाए ताकाइची ने भारत दौरे पर ऐसा क्या कहा जो भड़क गया चीन

एजेंसी बीजिंग

चीन ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की भारत यात्रा के दौरान दिए गए एक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। चीन ने उस बयान को टकराव और बंटवारा करने वाला बताया है। उसने कहा है कि जापानी प्रधानमंत्री की गलत सोच शांति, विकास और सहयोग के लिए क्षेत्रीय देशों की इच्छा के विपरीत है। चीन ने दावा किया कि उनके बयान को कभी भी आधिकारिक मान्यता नहीं मिलेगी। यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने जापानी पीएम सनाए ताकाइची को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। ताइवान को लेकर ताकाइची के बयान को चीन ने अस्वीकार्य बताया था, जिसके कारण दोनों देशों में राजनयिक तनाव भी बढ़ गया था।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भारत यात्रा के दौरान अपने भाषण में बार-बार फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक" (मुक्त और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र) का आह्वान किया। उन्होंने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में नियमों पर आधारित व्यवस्था और साझा समृद्धि को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक बताया है। उन्होंने इंडो-पैसिफिक में किसी एक देश का प्रभुत्व रोकने और सभी देशों के लिए शांति, संप्रभुता और स्वतंत्र व्यापार की वकालत की है।

जापानी पीएम सनाए ताकाइची के इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि हालांकि जापान ज़बानी तौर पर आज़ादी और खुलेपन की वकालत करने का दावा करता है, लेकिन असल में वह टकराव और बंटवारे को बढ़ावा दे रहा है। ऐसी गलत सोच शांति, विकास और सहयोग के लिए क्षेत्रीय देशों की साझा इच्छा के खिलाफ है और इसे कभी भी असली मान्यता नहीं मिलेगी।

चीन शुरू से ही सनाए ताकाइची की विदेश नीति को लेकर चिढ़ा हुआ है। ताकाइची चीन के खिलाफ अपनी सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं। ताकाइची को ताइवान का बड़ा समर्थक माना जाता है। उन्होंने पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के इस बयान को दोहराया है कि "ताइवान में आपातकाल, जापान में आपातकाल है।"

अक्टूबर 2025 में कार्यभार संभालने के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें बधाई संदेश नहीं भेजा था।

उनके ताइवान के नेताओं के साथ सीधे संवाद के कारण चीन अक्सर बीजिंग में जापानी दूतावास के जरिए विरोध दर्ज कराता रहा है।

हैदर अली और `मैसूर टाइगर' टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से अमेरिकी आजादी में निभाई थी अहम भूमिका

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका इस हफ्ते के आखिर में (शनिवार, 4 जुलाई) को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। अमेरिकी हर साल इस दिन ब्रिटेन से आजादी के लिए जश्न मनाते हैं। अमूमन अमेरिकी आजादी के आंदोलन को ब्रिटिश राज की ज्यादती के खिलाफ स्थानीय लोगों की बगावत के तौर पर देखा जाता है। हालांकि इसका एक पहलू ये है कि अमेरिका की आजादी के पीछे भारत एक एक अहम रोल था। खासतौर से हैदर अली और टीपू सुल्तान अमेरिकी आजादी की एक बड़ी वजह बने थे। अमेरिका जब आजाद हुआ तो दक्षिण भारत में हैदर अली मैसूर के सुल्तान थे और उनके बेटे टीपू सुल्तान सैन्य कामकाज देख रहे थे। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू ऑरलियन्स में प्रोफेसर एमेरिटस और डेलगाडो कम्युनिटी कॉलेज में पूर्व डीन और वाइस-चांसलर डॉक्टर मुस्तफा सरवर ने अमेरिकी आजादी का भारत कनेक्शन बताया है। डेली स्टार में अपने लेख में सरवर कहते हैं कि अमेरिकी धरती पर किसी भारतीय योद्धा के जाने का सबूत नहीं है लेकिन भारत और अमेरिका मिलिट्री स्ट्रैटेजी और शाही राजनीति के अनदेखे धागों से बंधे हुए थे। सरवर के मुताबिक, साल 1778 में जब फ्रांस अमेरिका के साथी के तौर पर युद्ध में शामिल हुआ तो यह लड़ाई एक ग्लोबल युद्ध में बदल गई। ब्रिटिश ताकत को तोड़ने के लिए फ्रांस ने दक्षिण भारत के मैसूर में हैदर अली और उनके लड़ाके बेटे टीपू सुल्तान से संपर्क किया। फ्रांस के साथ मिलकर उन्होंने दूसरा एंग्लो-मैसूर युद्ध शुरू कर दिया। पोलिलुर की लड़ाई में टीपू सुल्तान की सेना के लोहे के केस वाले रॉकेट हमलों से ब्रिटिश सेना बिखरने लगी। इस विरोध ने ब्रिटेन को अपनी नेवी का पांचवां हिस्सा, हजारों सैनिक और बहुत सारे फाइनेंशियल रिसोर्स भारत की ओर मोड़ने पर मजबूर कर दिया। नतीजतन जनरल जॉर्ज वाशिंगटन के खिलाफ अमेरिकी युद्ध के मैदानों में उसकी ताकत कम हो गई। जॉन एडम्स ने कांग्रेस को हैदर अली की तारीफ में एक लेटर लिखा, जिसे असेंबली के सामने जोर से पढ़ा गया। पेरिस में फ्रांसीसी अधिकारियों ने बेंजामिन फ्रैंकलिन को प्रस्ताव दिया कि अमेरिकियों और हैदर अली के बीच सीधा संपर्क बनाया जाए। टीपू सुल्तान दुनियाभर के क्रांतिकारी विचारों से प्रभावित थे। वह जैकोबिन क्लब में शामिल हो गए और श्रीरंगपट्टनम में ट्री ऑफ लिबर्टी लगाया। अमेरिकी आजादी की लड़ाई के बाद के हिस्से में मैसूर के शासक हैदर अली और उनके बेटे टीपू सुल्तान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के मुख्य और सबसे ताकतवर दुश्मन बन गए। ब्रिटिश सेना को पूरब में रोककर उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी आजादी के लड़ाकों की मदद की। हैदर अली की ब्रिटिश विरोधी बहादुरी से प्रेरित होकर पेन्सिलवेनिया स्टेट नेवी ने उनके सम्मान में अपने एक जंगी जहाज का नाम हैदर अली रखा था। यह जहाज असल में एक सरकारी प्राइवेट जहाज था, जिसे पेन्सिलवेनिया के व्यापारियों की रक्षा करने और ब्रिटिश नाकाबंदी को तोड़ने के लिए बनाया गया था। इसमें 16 तोपें थीं और इसकी कमान कैप्टन जोशुआ बार्नी के हाथ में थी, जो अमेरिकन नेवी के जाने-माने लोगों में से एक थे। 8 अप्रैल, 1782 को डेलावेयर-बे के मुहाने पर अमेरिकन जहाज 'हैदर अली' की टक्कर ब्रिटिश नेवी के जंगी जहाज HMS जनरल मोंक से हुई, जिसमें 20 तोपें थीं।

सूरज में भयंकर विस्फोट, धरती की तरफ बढ़ रहा भयंकर सौर तूफान

एजेंसी वॉशिंगटन

अंतरिक्ष में सूरज के अंदर हुए जबरदस्त विस्फोट के बाद अमेरिका में वैज्ञानिक अलर्ट पर हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस विस्फोट के बाद कोरोनल मास इजेक्शन (CME) हुआ है। यह इलेक्ट्रिक चार्ज वाले कणों के एक विशाल बादल की तरह है, जो धरती की तरफ बढ़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) के स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर ने 3 जुलाई (भारतीय समयानुसार 4 जुलाई) को जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म का अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि CME का कम से कम कुछ हिस्सा पृथ्वी से जोरदार ढंग से टकरा सकता है। स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रिक चार्ज से लैस CME जब पथ्वी की ओर आते हैं, तो वे हमारे ग्रह के मैग्नेटिक फील्ड के साथ कर सकते हैं और जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म पदा कर सकते हैं। इससे शानदार नॉर्दर्न लाइट्स दिखाई दे सकती हैं। 30 जून को सूरज ने 'रीजन 4479' नाम के एक्टिव स्पॉट से एक शक्तिशाली X1.1 क्लास सौर ज्वाला (सोलर फ्लेयर) छोड़ी। सूरज के जिस रीजन 4479 से यह ज्वाला निकली, उसका मुंह पृथ्वी की ओर था। इसके चलते विस्फोट के चलते निकली X-रे की तेज लहरें 8 मिनट से कुछ ज्यादा समय में पृथ्वी पर पहुंचीं। इससे उत्तरी अमेरिका में दिन के समय तेज रेडियो ब्लैक आउट हुआ। इसका असर मुख्य रूप से हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो इस्तेमाल करने वालों पर पड़ा। उन्हें सिग्नल में अस्थायी कमी या कुछ समय के लिए रुकावट का सामना करना पड़ा। अब वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि CME पृथ्वी से टकरा सकते हैं। हालांकि, ज्यादातर CME पृथ्वी के उत्तर से गुजरेंगे। फिर इतने चार्ज इलेक्ट्रिकली चार्ज इतने कण वायुमंडल के संपर्क में आ सकते हैं कि अमेरिका के उत्तरी हिस्से में नॉर्दर्न लाइट दिख सकती हैं। हालांकि, यह तूफान के सटीक रास्ते और उसकी ताकत पर निर्भर करेगा।

मशहूर एंकर, बैंड ड्रमर और अब जापान की पीएम! जानें सनाए ताकाइची की सक्सेज स्टोरी

एजेंसी टोक्यो

कहते हैं प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। ऐसी ही एक प्रतिभा का नाम है सनाए ताकाइची। सनाए ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने जापान की पुरुष प्रधान राजनीति में न केवल अपने लिए जगह बनाई, बल्कि सर्वोच्च ओहदे पर भी पहुंचीं। ताकाइची इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। यह प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पहली भारत यात्रा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की है, जिसमें भारत और जापान के बीच कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। ऐसे में जानें कि सनाए ताकाइची एक टेलिविजन एंकर और बैंड ड्रमर से जापान की राजनीति के सर्वोच्च पद तक कैसे पहुंचीं। सनाए ताकाइची अक्टूबर 2025 से जापान की प्रधानमंत्री और लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की अध्यक्ष हैं। वह जापानी इतिहास में इन दोनों पदों को संभालने वाली पहली महिला हैं। 1993 से 2003 तक और 2005 से जापान की संसद की सदस्य भी हैं। बड़ी बात यह है कि उन्होंने 1993 में अपने संसदीय कार्यकाल की शुरुआत एक निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में की थी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे और फुमियो किशिदा के प्रधानमंत्री रहते हुए मंत्री पद भी संभाले हैं। राजनीति में आने से पहले, सनाए ताकाइची अमेरिका में एक टेलीविजन एंकर थीं। वह एक हेवी-मेटल बैंड में ड्रम भी बजाती थीं। उन्होंने अमेरिका में पढ़ाई की, जहां उन्होंने कोलोराडो की कांग्रेसवुमन पेट्रीसिया श्रोएडर के साथ इंटर्नशिप की। जापान लौटने पर, उन्होंने अमेरिकी राजनीति पर किताबें लिखीं और इसी फील्ड में अपने करियर की शुरुआत की। 1992 में उन्होंने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पहली बार चुनाव लड़ा, लेकिन जीत नहीं सकीं। 1993 में 32 साल की उम्र में वह पहली बार हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सदस्य नियुक्त हुईं। सनाए ताकाइची वह 1996 में आधिकारिक तौर पर लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) में शामिल हुईं और पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ काम किया। हालांकि, जापान की पुरुष प्रधान राजनीति में खुद को स्थापित करने के लिए सनाए ताकाइची को काफी संघर्ष करना पड़ा। ताकाइची ने साबित किया कि वह जापान की राजनीति में पुरुषों के बराबर प्रभावी हैं और काम को पूरी लगन और निष्ठा से अंजाम दे सकती हैं। धीरे-धीरे जापान में उनकी ख्याति बढ़ने लगी और इसका फायदा उन्हें सरकार में मंत्री पद के रूप में मिला। शिंजो आबे के मंत्रिमंडल में सनाए ताकाइची ने आंतरिक मामलों और संचार मंत्री के रूप में काम किया। सनाए ताकाइची ने 2021 में एलडीपी लीडरशिप इलेक्शन भी लड़ा, लेकिन दूसरे दौर के चुनाव से पहले ही बाहर हो गईं। 2022 से 2024 तक, फुमियो किशिदा के प्रधानमंत्री रहने के दौरान उन्होंने आर्थिक सुरक्षा राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने संवेदनशील राष्ट्रीय जानकारी की सुरक्षा के लिए एक उन्नत 'सुरक्षा मंजूरी' सिस्टम की शुरुआत की। ताकाइची ने 2024 के नेतृत्व चुनाव में दूसरी बार पार्टी नेतृत्व के लिए चुनाव लड़ा , जहां उन्होंने पहले दौर में पहला स्थान हासिल किया, लेकिन दूसरे दौर के चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी शिगेरू इशिबा से मामूली अंतर से हार गईं। इसके बाद शिगेरू इशिबा जापान के प्रधानमंत्री चुने गए। ताकाइची ने 2025 में तीसरी बार LDP नेतृत्व चुनाव लड़ा और दोनों दौर के मतदान में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए शिंजीरो कोइजुमी को हराया। इसी के साथ वह LDP की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। एलडीपी-कोमेइटो गठबंधन के समाप्त होने के बाद , ताकाइची ने जापान इनोवेशन पार्टी के साथ गठबंधन समझौता किया और 21 अक्टूबर को नेशनल डाइट द्वारा प्रधानमंत्री चुनी गईं।

आर. अश्विन की भविष्यवाणीः टी20 ही क्रिकेट का भविष्य, ओलंपिक के दरवाजे खोलेगा!

रविचंद्रन अश्विन ने T20 क्रिकेट को वैश्विक विस्तार और ओलंपिक में शामिल होने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि उनका मानना है कि इसका छोटा फॉर्मेट अधिक खिलाड़ियों को आकर्षित करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि T20 का भविष्य उज्ज्वल है, जबकि वनडे क्रिकेट के लंबे समय के भविष्य पर संदेह व्यक्त किया।

नई दिल्ली, एजेंसी | पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि T20 क्रिकेट अपने छोटे समय की वजह से एक मुख्य फ़ॉर्मेट बना रहेगा; उनका मानना है कि यह फ़ॉर्मेट दुनिया भर में विस्तार और भविष्य में ओलंपिक में शामिल किए जाने के लिए ज़्यादा उपयुक्त है। यूरोपियन T20 प्रीमियर लीग (ETPL) में डबलिन गार्डियंस के कप्तान और मेंटर के तौर पर काम कर रहे अश्विन ने कहा कि इस फ़ॉर्मेट से ज़्यादा खिलाड़ियों के जुड़ने और दुनिया भर में लीग्स के मज़बूत होने की संभावना है, जबकि उन्होंने वनडे इंटरनेशनल (ODI) क्रिकेट के लंबे समय के भविष्य पर संदेह भी जताया।

ETPL 2026 प्लेयर ड्राफ्ट में मीडिया से बात करते हुए अश्विन ने कहा कि अगर खेल को ग्लोबल बनाना है और इसे ओलंपिक खेल का दर्जा दिलाना है, तो खेल जितना छोटा होगा, उतना ही बेहतर होगा। इसी तरह यह और बड़ा बनेगा और आपको खिलाड़ियों का बेहतर सैंपल साइज़ देखने को मिलेगा, जो कई लीग के लिए बहुत ज़रूरी है। T20 खेल तो बना रहेगा, लेकिन ODI क्रिकेट के बारे में मैं पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकता।

अश्विन ने क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग हालात के हिसाब से खुद को ढालने की अहमियत पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि लगातार सुधार करना और अलग-अलग हालात के मुताबिक खुद को बदलना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने भारत और आयरलैंड के बीच हाल ही में हुई T20I सीरीज़ का उदाहरण दिया, जिसमें भारत को ऐतिहासिक रूप से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे खेलने के हालात पारंपरिक T20 रणनीतियों के लिए चुनौती बन सकते हैं।

अश्विन ने कहा कि मुझे लगता है कि क्रिकेट को कुल मिलाकर इस तरह से सीखा जाना चाहिए कि आप हर दिन बेहतर होते जाएं। आपको हालात के हिसाब से खुद को ढालना आना चाहिए। इस खेल का मूल मंत्र ही खुद को ढालना है। यही वजह है कि भारत और आयरलैंड के बीच हाल ही में हुई T20 सीरीज़ इसका एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे हालात खेल के उन कई पहलुओं को खत्म कर सकते हैं, जिन्हें T20 खेल के मुख्य आधार के तौर पर विकसित किया गया था।

संजू सैमसन पर बढ़ा दबाव, एक और नाकामी तो टीम इंडिया से हो सकती है छुट्टी?

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में संजू सैमसन के खराब फॉर्म और 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के संभावित पदार्पण पर सबकी नजरें टिकी हैं, जिससे सैमसन पर अपनी उपयोगिता साबित करने का भारी दबाव है। पहले मैच में अभिषेक शर्मा के अच्छे प्रदर्शन के बाद अब टीम इंडिया के मध्यक्रम, विशेषकर सैमसन और तिलक वर्मा के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

नई दिल्ली, एजेंसी| वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण की बढती मांग के बीच इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टी20 मैच में संजू सैमसन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव रहेगा जो इस दौरे पर लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं। पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था जिसमें भारत ने अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 189 रन बनाये थे। अगले कुछ मैचों में फोकस सैमसन पर रहेगा कि वह सूर्यवंशी को पदार्पण का मौका दिये जाने की बढती मांग के बीच अपनी उपयोगिता साबित कर पाते हैं या नहीं। भारत की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के सूत्रधार रहे सैमसन को कम से कम एक साल तक मौका दिया जा सकता था लेकिन अब जबकि भारतीय क्रिकेट को सूर्यवंशी के रूप में एक असाधारण प्रतिभाशाली क्रिकेटर मिल गया है।

ऐसे में सैमसन के लिये गलती की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है और टी20 विश्व कप का शानदार प्रदर्शन भी टीम में उनकी जगह की गारंटी नहीं हो सकता। अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बना लिये हैं जिससे सारा दबाव अब सैमसन पर है। बारिश के कारण रद्द हुए पहले मैच में सैमसन ने सात गेंद में एक रन बनाया था और एक बार भी नहीं लगा कि वह आक्रामक खेलने के मूड में हैं। सीम लेती पिचों पर तकनीक के मामले में उनकी कमजोरी सामने आती है। राजस्थान के टोंक के रहने वाले आयरलैंड के गुमनाम से तेज गेंदबाज जय मूंदड़ा ने उनकी कमजोरी का फायदा उठाकर उनका विकेट लिया। टीम प्रबंधन 15 वर्ष के सूर्यवंशी को लेकर कोई हड़बड़ी नहीं करना चाहता लेकिन अगले कुछ मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया तो इस फैसले पर सवाल उठने तय हैं।

सैमसन के अलावा तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम में तेज खेलना होगा। स्पिनरों के आने के बाद वह तेजी से रन नहीं बना पाते हैं। इस साल 12 टी20 में वह सिर्फ 12 छक्के लगा सके हैं और एक फिनिशर के लिये यह खराब आंकड़ा है। स्पिनरों की मददगार ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर गेंदबाजी में किसी बदलाव की संभावना नहीं है। इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक, फिल साल्ट और टॉम बेंटोन जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। इस मैच से पहले हालांकि एक ही यक्षप्रश्न क्रिकेटप्रेमियों के जेहन में है कि सूर्यवंशी को मौका मिलेगा या नहीं।

टीमें : भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी। इंग्लैंडः हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड। समयः मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होगा।

विश्व कप में हार के बाद जर्मनी फुटबॉल में भूचाल, कोच जूलियन नागेल्समैन ने दिया इस्तीफा

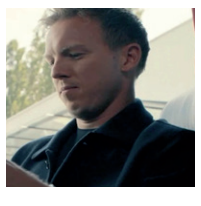

नई दिल्ली, एजेंसी | विश्व कप में जर्मनी के निराशाजनक प्रदर्शन और पराग्वे से हार के बाद मुख्य कोच जूलियन नागेल्समैन ने भारी दबाव के चलते इस्तीफा दे दिया है। उनकी रणनीति की आलोचना के बीच अब जुर्गन क्लॉप के नए जर्मन कोच बनने की अटकलें तेज हो गई हैं।

विश्व कप में लगातार तीसरी बार अंतिम-16 में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद जर्मनी के मुख्य कोच जूलियन नागेल्समैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जर्मनी के फुटबॉल महासंघ ने विश्व कप के अंतिम 32 मैच के शूटआउट में पराग्वे से चौंकाने वाली हार झेलने के चार दिन बाद शुक्रवार को उनके इस्तीफे की आधिकारिक घोषणा की।

इस बीच लीवरपूल के पूर्व मैनेजर जुर्गन क्लॉप के जर्मनी के नए मुख्य कोच बनने की अटकलें भी तेज हो गई हैं। नागेल्समैन ने शुरुआत में संकेत दिए थे कि वह अपने मौजूदा अनुबंध की शेष दो वर्ष की अवधि तक टीम के साथ बने रहेंगे।

बताया जाता है कि विश्व कप के दौरान वह सबसे अधिक वेतन पाने वाले कोच में शामिल थे। टूर्नामेंट के दौरान उनकी रणनीति और टीम चयन को लेकर लगातार आलोचना होती रही जिसके बाद उन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ता गया।

अल्जीरिया के स्टार फुटबॉलर रियाद महरेज़ का सफर खत्म, विश्वकप के बाद किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी | अल्जीरिया के स्टार फुटबॉलर रियाद महरेज़ ने विश्व कप में स्विट्ज़रलैंड से मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अपने शानदार करियर में 119 मैच खेलने वाले महरेज़ ने नई पीढ़ी को मौका देने को अपने इस फैसले का कारण बताया।

अल्जीरिया के विश्व कप से बाहर होने के बाद उसके स्टार खिलाड़ी रियाद महरेज़ ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया। अल्जीरिया विश्व कप के राउंड ऑफ़ 32 में स्विट्ज़रलैंड से 2-0 से हार गया था। महरेज़ ने कहा, ''करियर में उतार चढ़ाव होना स्वाभाविक है। मैंने कुछ अच्छे तो कुछ बुरे दौर भी देखे लेकिन बचपन से ही अल्जीरिया का प्रतिनिधित्व करना मेरा सपना रहा।

अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और गर्व की बात है। अब नई पीढ़ी को मौका देने का समय है।'' सऊदी अरब में अल-अहली के लिए खेलने वाले महरेज़ का क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार करियर रहा है। इस 35 वर्षीय फॉरवर्ड ने अल्जीरिया की तरफ से 119 मैच खेले जिसमें उन्होंने 40 गोल किए।

इंडिया ए ने श्रीलंका ए को बैकफुट पर धकेला, साई सुदर्शन के बाद देवदत्त पडिक्कल भी शतक के करीब

गाले, एजेंसी | इंडिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के पहले दिन श्रीलंका ए ने दमदार बैटिंग की। लेकिन इसके बाद मैच का दूसरा दिन इंडिया ए के नाम रहा। श्रीलंका ए का स्कोर एक समय 5 विकेट पर 305 रन था। यहां से इंडिया ए के गेंदबाजों ने पारी को 366 रनों पर ही समेट दिया। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंडिया ए ने 247 रन बना लिए हैं। अभी तक सिर्फ एक ही विकेट गिरा है। साई सुदर्शन शतक लगा चुके हैं तो देवदत्त पडिक्कल भी नाइंटीज में खेल रहे हैं।

सहान अराच्चिगे ने शतक ठोका - श्रीलंका ए के लिए दूसरे दिन कप्तान सहान अराच्चिगे ने शतक पूरा किया। निचले क्रम में किसी बल्लेबाज ने लंबे समय तक उनका साथ नहीं निभाया। इंडिया ए की तरफ से तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने 4 विकेट लिए तो स्पिनर सारांश जैन को भी 4 ही विकेट मिले। श्रीलंका ए के टॉप-6 में शामिल सभी बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन सिर्फ सहान ही 50 के आंकड़े को पार कर पाए।

साई सुदर्शन का 11वां फर्स्ट क्लास शतक - इंडिया ए को साई सुदर्शन और अमन मोखाडे ने ठोस शुरुआत दिलाई। पहले विकेट के लिए दोनों के बीच 66 रनों की साझेदारी हुई। 48 गेंदों प 6 चौकों की मदद से 38 रन बनाकर अमन आउट हुए। इसके बाद बैटिंग करने उतरे देवदत्त पडिक्कल साई सुदर्शन के साथ क्रीज पर टिक गए। 85 गेंदों पर सुदर्शन ने फिफ्टी पूरी की तो 67 गेंदों पर ही पडिक्कल 50 रनों तक पहुंच गए।

दिन के आखिरी सेशन में साई सुदर्शन ने 166 गेंदों पर अपना 11वां फर्स्ट क्लास शतक पूरा किया। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में भी शतक ठोका था। भारत के लिए टेस्ट में नंबर-3 पर खेलने वाले साई स्टंप के समय 104 रन बनाकर टिके थे।

व्यापार

इंस्टाग्राम पर सीएसएएम विज्ञापनों मामले में सरकार का बड़ा एक्शन, मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मेटा को किया तलब

आईटी नियमों के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन न करने पर सरकार ने मेटा पर शिकंजा कसा है, और बाल यौन शोषण विज्ञापनों के मामले में तलब किया है। सरकार ने मेटा को एक महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मध्यस्थ के रूप में उसके कानूनी दायित्वों की याद दिलाई है।

नई दिल्ली, एजेंसी | सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को बढ़ावा देने वाले इंस्टाग्राम विज्ञापनों के मामले में मेटा को तलब करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस मामले में मेटा से स्पष्टीकरण मांगेगा। इस सप्ताह यह दूसरा मौका है जब सरकार ने मेटा पर सख्ती दिखाई है।

केंद्र ने व्हाट्सऐप के प्रस्तावित 'यूजरनेम' फीचर के मामले में बुधवार को मेटा को नोटिस जारी किया था। सरकार ने चिंता जताई थी कि इससे ऑनलाइन धोखाधड़ी, 'डिजिटल अरेस्ट' घोटालों तथा किसी अन्य व्यक्ति के तौर पर खुद को पेश करने (इम्पर्सनेशन) जैसे मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। सरकार ने कहा था कि इन मुद्दों पर उसकी संतुष्टि होने और परामर्श प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस सेवा को लागू नहीं किया जाना चाहिए।

केंद्र ने मेटा से यह भी पूछा था कि व्हाट्सऐप के इस नए फीचर के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए जबकि इससे साइबर अपराध बढ़ सकते हैं। सरकार ने मेटा को यह भी याद दिलाया था कि एक महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मध्यस्थ (सिग्निफिकेंट सोशल मीडिया इंटरमीडियरी) के रूप में व्हाट्सऐप सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और उससे जुड़े नियमों के तहत आवश्यक सावधानी बरतने संबंधी दायित्वों का पालन करने के लिए बाध्य है।

भारत की पॉलिसी में टर्न! 4 चीनी कंपनियों को सरकारी प्रोजेक्ट्स में दी बोली लगाने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत ने देश में फैक्ट्री चलाने वाली चार चीनी पावर इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों को अहम पावर प्रोजेक्ट्स के लिए सरकारी टेंडर में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है। एक सरकारी आदेश से इसका पता चलता है। चीनी कंपनियों को सरकारी टेंडर में हिस्सा लेने की मंजूरी देना भारत की पॉलिसी में नरमी का सीधा संकेत है। इस फैसले का मतलब यह है कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की आर्थिक जरूरतों के बीच एक व्यावहारिक संतुलन बनाने की कोशिश की है।

इन चीनी कंपनियों को मिली टेंडर में हिस्सा लेने की इजाजत - भारत के वित्त मंत्रालय के 24 जून के आदेश (जिसे रॉयटर्स ने देखा है) के मुताबिक, TBEA एनर्जी, नानजिंग इलेक्ट्रिक इंडिया, न्यू नॉर्थईस्ट इलेक्ट्रिक इंडिया और ताइकाई इलेक्ट्रिक (इंडिया) को टेंडर में हिस्सा लेने की इजाजत होगी।

दस्तावेज के अनुसार, भारत के बिजली मंत्रालय ने जनवरी में उन कंपनियों के लिए छूट मांगी थी जिनके पास भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं और जो अहम पावर प्रोजेक्ट्स से जुड़ी हैं।

रॉयटर्स ने जनवरी में रिपोर्ट दी थी कि सीमा पर तनाव कम होने के साथ भारत सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के लिए चीनी बोलीदाताओं को और छूट देने पर विचार कर रहा था।

2020 से चीनी कंपनियों के लिए सख्त हो गए थे नियम - 2020 में सीमा पर हुई झड़प के बाद से नई दिल्ली ने चीनी बोलीदाताओं के लिए किसी भी सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के लिए मुकाबला करने से पहले सरकारी पैनल के पास रजिस्ट्रेशन कराने और राजनीतिक व सुरक्षा मंजूरी लेने को जरूरी बना दिया था।

यह छूट ऐसे समय में दी गई है जब भारत बढ़ती बिजली की मांग और रिन्यूएबल एनर्जी को जोड़ने के लिए अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार तेजी से कर रहा है।

आदेश में कहा गया है कि यह छूट जारी होने की तारीख से दो साल तक लागू रहेगी। इसे दूसरी कंपनियों के लिए मिसाल नहीं माना जाना चाहिए।

क्यों अहम है सरकार का फैसला? - 2020 के गलवान सीमा विवाद के बाद चीनी कंपनियों पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए थे। लेकिन, देश में बिजली की बढ़ती मांग और रिन्यूएबल एनर्जी के टारगेट पूरा करने के लिए पावर ग्रिड और ट्रांसमिशन नेटवर्क का तेजी से विस्तार करना जरूरी है।

एनएमसी हेल्थ डील का असर, बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 4% टूटा, निवेशकों की बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी | शेयर बाजार में शुक्रवार को बैंकिंग क्षेत्र की शुरुआत कुछ दबाव के साथ हुई और इसका सबसे अधिक असर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयरों पर देखने को मिला। एनएमसी हेल्थ मामले में 60 करोड़ डॉलर यानी लगभग 5,700 करोड़ रुपये के समझौते की घोषणा के बाद निवेशकों की चिंता अभी भी बनी हुई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, सुबह के कारोबार में बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर करीब 4 प्रतिशत तक गिरकर लगभग 250 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के साथ यह निफ्टी 500 के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में शामिल रहा।

बता दें कि बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयरों में इस वर्ष अब तक करीब 16.7 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। इसके मुकाबले इसी अवधि में निफ्टी 50 इंडेक्स में लगभग 7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इससे साफ है कि बैंक के शेयरों पर बाजार का दबाव व्यापक बाजार की तुलना में अधिक बना हुआ है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयरों में कमजोरी का असर पूरे सरकारी बैंकिंग क्षेत्र पर भी दिखाई दिया। शुक्रवार सुबह निफ्टी सरकारी बैंक इंडेक्स सबसे कमजोर क्षेत्रीय इंडेक्स बनकर उभरा। दूसरी ओर, व्यापक शेयर बाजार में सकारात्मक माहौल बना रहा। मौजूद जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजकर 59 मिनट पर सेंसेक्स लगभग 485 अंक की बढ़त के साथ 77,987.13 अंक पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी करीब 164 अंक चढ़कर 24,339.35 अंक के स्तर पर पहुंच गया था।

गौरतलब है कि बाजार में कुल मिलाकर खरीदारी का रुख बना रहा। लगभग 2,016 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, जबकि 1,256 शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। इसके बावजूद सरकारी बैंकिंग शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। निफ्टी सरकारी बैंक इंडेक्स करीब 1.7 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा था। वहीं निजी बैंक इंडेक्स में लगभग 0.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि बैंकिंग इंडेक्स लगभग स्थिर बना रहा।

बैंक ऑफ बड़ौदा के अलावा कई अन्य सरकारी बैंकों के शेयरों में भी गिरावट देखने को मिली। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी दर्ज हुई। वहीं पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक के शेयर भी लाल निशान में कारोबार करते दिखाई दिए। हालांकि यूको बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में मामूली बढ़त दर्ज की गई।

मौजूद जानकारी के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा ने हाल ही में एनएमसी हेल्थ पीएलसी, एनएमसी हेल्थकेयर लिमिटेड और एनएमसी होल्डिंग लिमिटेड के संयुक्त प्रशासकों के साथ अदालत के बाहर समझौता करने का फैसला किया है। इस समझौते के तहत बैंक करीब 60 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा। बैंक ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता किसी भी प्रकार की कानूनी जिम्मेदारी या गलती स्वीकार किए बिना किया गया है और इसका उद्देश्य लंबे समय से चल रहे कानूनी विवाद को समाप्त करना है।

फ्यूल प्राइस में राहत के लिए करना होगा इंतजार, मंत्री हरदीप पुरी बोले- 2-3 महीने बाद फैसला

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया है कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 2-3 महीने तक कम रहती हैं तो पेट्रोल-डीजल के दाम घट सकते हैं। फिलहाल तेल कंपनियां महंगे दाम पर खरीदे गए पुराने स्टॉक का इस्तेमाल कर रही हैं, जिससे उन्हें 74,781 करोड़ का नुकसान हुआ है, इसलिए तत्काल राहत की उम्मीद नहीं है।

नई दिल्ली, एजेंसी | अगर आप भी पेट्रोल और डीजल के दाम कम होने का इंतजार कर रहे हैं तो आपके लिए राहत भरी उम्मीद की खबर है। हालांकि अभी कीमतों में तुरंत कटौती के संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने साफ कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अगले दो से तीन महीने तक कम बनी रहती हैं तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर विचार किया जा सकता है। मौजूद जानकारी के अनुसार, फिलहाल सरकारी तेल कंपनियां उस कच्चे तेल का प्रोसेसिंग कर रही हैं जिसे पश्चिम एशिया संकट के दौरान ऊंची कीमतों पर खरीदा गया था।

हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि 30 जून तक की अवधि में सरकारी तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस लागत से कम कीमत पर बेचने के कारण करीब 74,781 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया था, जिसका सीधा असर भारत की तेल कंपनियों पर पड़ा।

बता दें कि तेल कंपनियां कच्चे तेल की खरीद पहले से करती हैं। सामान्य तौर पर जिस कच्चे तेल का उपयोग आज किया जा रहा है, उसकी खरीद करीब दो महीने पहले की गई होती है। ऐसे में वर्तमान समय में जिन भंडारों का उपयोग किया जा रहा है, वे उस अवधि के हैं जब कच्चे तेल की कीमतें काफी अधिक थीं। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होने के बावजूद घरेलू स्तर पर तुरंत राहत मिलना संभव नहीं माना जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि यदि कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट अगले दो से तीन महीने तक बनी रहती है तो उस समय पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर फैसला लेना उचित होगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल यह केवल संभावित स्थिति है और अभी किसी प्रकार का अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थी। उस समय भारतीय सरकारी तेल कंपनियों ने पूरी लागत का बोझ यूजर्स पर नहीं डाला और उसका बड़ा हिस्सा स्वयं वहन किया। मंत्री के अनुसार, इसी वजह से भारत में पेट्रोल की कीमतों में अपेक्षाकृत सीमित बढ़ोतरी हुई।

हरदीप सिंह पुरी ने यह भी बताया कि विकसित देशों में इस अवधि के दौरान पेट्रोल की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई, जबकि भारत के पड़ोसी देशों में यह वृद्धि करीब 35 प्रतिशत रही। इसके मुकाबले भारत में पेट्रोल की कीमत केवल 5.58 प्रतिशत ही बढ़ी। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद देश के 1,07,000 से अधिक पेट्रोल पंपों पर ईंधन की आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी रही।

इस बीच निजी क्षेत्र की तेल कंपनी नायरा एनर्जी ने एक जुलाई से अपने पेट्रोल के दाम 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर कम करने का फैसला किया है। हालांकि मंत्री ने स्पष्ट किया कि नायरा एनर्जी ने संकट के दौरान अपने दाम बढ़ाए थे और अब उसने उसी बढ़ोतरी को वापस लिया है। दूसरी ओर सरकारी तेल कंपनियों ने उस समय कीमतों में इतनी वृद्धि नहीं की थी।

बहन निशा को बचपन में कैसे परेशान करती थीं काजल अग्रवाल

'सिंघम' एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर बताया कि वह निशा को परेशान करने के लिए कहती थीं कि उन्होंने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है

फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल, जिन्हें उनकी दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है और उन्होंने साउथ और कुछ हिंदी फिल्मों में भी शानदार काम किया है। उन्होंने बताया कि कैसे वह बचपन में अपनी बहन निशा अग्रवाल को चिढ़ाया करती थीं। और अगर वह ठीक से पेश नहीं आएगी तो वे उसे वापस कर देंगे। काजल ने लिखा कि जब हम छोटे थे तो मैं अपनी बहन को यह कहकर परेशान करती थी कि हमने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है और अगर वह बदमाशी करेगी तो उसे क्रेडिट नोट के साथ वापस कर देंगे।

काजल का यह पोस्ट एक यूजर द्वारा निशा से पूछे गए मजेदार सवाल के जवाब में आया है। सवाल-जवाब के एक सेशन के दौरान, एक इंस्टाग्राम यूजर ने निशा से पूछा, 'आप काजल अग्रवाल जैसी क्यों दिखती हैं? ' इस पर उन्होंने मजेदार जवाब देते हुए कहा कि भाई-बहन अक्सर ऐसे ही होते हैं। एक ही माता-पिता, एक जैसे जीन, थोड़ी-बहुत समानता तो होती ही है।

इसी बीच, फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल के आने वाले प्रोजेक्ट की बात करे तो अभिनेत्री 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन' में श्रेयस तलपड़े के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि यह फिल्म आज के समय में कई माता-पिता के डर और चिंताओं को दिखाती है। काजल ने कहा कि द इंडिया स्टोरी एक ऐसी फिल्म है, जिसमें समाज के लिए एक मजबूत सामाजिक संदेश है।

एक मां के तौर पर, यह कहानी मुझे बहुत निजी स्तर पर छू गई, क्योंकि यह उन डरों और चिंताओं को दिखाती है जो आज कई माता-पिता के मन में होते हैं। जी स्टूडियोज द्वारा एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से पेश की जा रही 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइज़न' को सागर बी. शिंदे ने लिखा है। इस कोर्टरूम ड्रामा के इस साल 24 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। यह हिंदी, तेलुगु और तमिल सहित कई भाषाओं में उपलब्ध होगी।

लॉस एंजिल्स में भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर बोलीं सना सईद, 'सुना जाना सबसे जरूरी होता है'

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया।

दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा। ' उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।'' सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।'' सना ने अपने वीडियो में कहा, ''मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।

बारिश में भीगी तमन्ना भाटिया, राशा थडानी ने पूछा- 'मेरे बिना ऐसा क्यों किया'

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की बारिश वाली वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। अभिनेत्री बारिश में भीगकर एंज्वॉय करती दिखीं, लेकिन उनके वीडियो को देखकर उनकी दोस्त अभिनेत्री राशा थडानी काफी निराश हो गईं। तमन्ना भाटिया ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर मुंबई की झमाझम बारिश का एक वीडियो शेयर किया। क्लिप में तमन्ना बारिश देखकर बेहद एक्साइटेड दिखीं, इसके बाद वो बारिश में भीगने लगीं और सुहावने मौसम का पूरा आनंद उठाया। थोड़ी देर बाद उन्होंने कैमरे पर कहा, 'अब मुझे ठंड लग रही है। मैंने मजे-मजे में यह कर तो लिया। ' पोस्ट के कैप्शन में तमन्ना ने लिखा, 'मुझे भी अभी ठंड लग रही है। ' राशा थडानी ने इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए तमन्ना से पूछा, 'आपने मेरे बिना ऐसा क्यों किया ' राशा का यह कमेंट अब फैंस के बीच खूब वायरल हो रहा है।

दोनों अभिनेत्रियों के बीच लंबे समय से अच्छी दोस्ती मानी जाती है, जिस वजह से राशा का कमेंट और भी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। अब तमन्ना के आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो वह जल्द ही बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा ??के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। फिल्म के 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि लोक कथाओं पर आधारित यह थ्रिलर फिल्म मध्य भारत के जंगलों की पृष्ठभूमि पर बनी है। दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म को बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के डिवीजन बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। इसके अलावा, तमन्ना को सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ वी शांताराम की बायोपिक के लिए भी साइन किया गया है। वह इस बहुप्रतीक्षित बायोपिक में शांताराम की दूसरी पत्नी एक्ट्रेस जयश्री का किरदार निभाती नजर आएंगी। तमन्ना की आने वाली फिल्मों में हॉरर ड्रामा 'रागिनी 3' भी शामिल है, जिसमें आमिर खान के बेटे जुनैद खान लीड रोल में हैं। इसे एकता कपूर के बालाजी मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है।

'अगर सुधार करना है तो अपना बचाव करना बंद करो'

कंगना रनौत ने राम कपूर को लगाई फटकार

अभिनेत्री कंगना रनौत ने रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' के रूप में एंट्री की। इस दौरान उन्होंने फराह खान और रितेश देशमुख के साथ मिलकर प्रतियोगियों से बातचीत की। शो के दौरान कंगना ने लोकप्रिय टीवी अभिनेता राम कपूर को उनके रवैये को लेकर खरी-खरी सुनाई। कंगना ने राम कपूर से कहा कि अगर वह खुद में सुधार करना चाहते हैं तो उन्हें हर बात पर अपना बचाव करना बंद करना होगा। 'क्वीन' अभिनेत्री ने राम कपूर से कहा, 'रामजी, आपको इस गेम को इतनी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए था और अगर आपको लगता है कि आप इस जेल के लिए बहुत बड़े हैं तो फिर यहां आए ही क्यों? अपनी बेवकूफी दिखाने के लिए इस पर राम कपूर ने अपना बचाव करते हुए कहा, 'जब सही समय आएगा, तब मैं अपनी सच्चाई स्वीकार करूंगा और यहां मौजूद किसी भी व्यक्ति से बेहतर तरीके से करूंगा। ' इस पर कंगना ने उन्हें दोबारा चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर खुद में सुधार करना चाहते हैं तो अपना बचाव करना बंद कर दीजिए। ' इससे पहले फराह खान ने भी राम कपूर को इसी तरह का रियलिटी चेक दिया था। 'चार्जशीट' सेगमेंट के दौरान फराह ने कहा कि राम कपूर अपने हर शो में मुख्य भूमिका निभाते हैं, लेकिन 'लॉक अप 2' में आने के बाद वह बैकग्राउंड कलाकार बनकर रह गए हैं। फराह ने कहा, 'मैं आपसे पूछना चाहती हूं, हर शो में आप लीड रोल निभाते हैं, लेकिन यहां आने के बाद आप बैकग्राउंड एक्टर बन गए हैं। ' राम कपूर ने इस प्रतिक्रिया को सकारात्मक तरीके से नहीं लिया। उन्होंने फराह को रोकने के अंदाज में अपना हाथ उठा दिया। यह देखकर फराह ने कहा, 'जो मैं देख रही हूं, वह राम मुझे पसंद नहीं आ रहा। यह मजाकिया भी नहीं है। ' इसके बावजूद राम कपूर ने कहा, 'मेरे लिए तो यह मजाकिया है। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं। ' फराह ने एक बार फिर समझाने की कोशिश करते हुए कहा, 'आप यहां जो लेक्चर दे रहे हैं, आप असल में ऐसे बिल्कुल नहीं हैं। ' लेकिन राम कपूर अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने कहा, 'तो निकाल दो मुझे। मैं बदलने वाला नहीं हूं। मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा। ' इसके बाद फराह ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'जो लोग नहीं बदलते, वे डायनासोर बन जाते हैं।

भौरासा और फंदा टोल प्लाजा पर लगे स्मार्ट बोर्ड — अब सड़क पर चलते-चलते मिलेगा सुरक्षा का संदेश

साधना एक्सप्रेस भोपाल

अगर आप देवास-भोपाल हाईवे से गुज़रते हैं, तो अब टोल प्लाजा पर आपको कुछ नया दिखेगा। भौरासा और फंदा टोल प्लाजा पर चमकते हुए इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड लग गए हैं, जो चौबीसों घंटे आपसे बात करते हैं हेलमेट पहनो, सीट बेल्ट लगाओ, गति सीमा का ध्यान रखो।

यह पहल देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड (DBCPL) ने की है। परियोजना संचालक अजय मिश्रा के नेतृत्व में लगाए गए इन वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले (VMS) बोर्ड्स का मकसद सीधा और सरल है सड़क पर जाने वाला हर इंसान सुरक्षित घर लौटे।

सिर्फ बोर्ड लगाकर DBCPL ने काम नहीं छोड़ा। स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें वाहन चालकों को पम्पलेट बाँटे गए और उन्हें यातायात नियमों की अहमियत समझाई गई।

और इसकी ज़रूरत है भी। मध्यप्रदेश में सड़क हादसों में जान गँवाने वालों में करीब आधे दोपहिया वाहन सवार होते हैं (MoRTH, Road Accidents in India), वहीं एम्बुलेंस सेवा के आँकड़ों के अनुसार हादसों में घायल होने वालों में 61 फीसदी की उम्र 16 से 30 साल के बीच होती है। अगर ये युवा हेलमेट पहनें और नियमों का पालन करें, तो कितनी ज़िंदगियाँ बचाई जा सकती हैं।

DBCPL प्रबंधन का कहना है कि इन बोर्ड्स का उद्देश्य केवल नियम याद दिलाना नहीं है, बल्कि लोगों की सोच बदलना है ताकि सुरक्षित ड्राइविंग एक आदत बन जाए, मजबूरी नहीं।

इस मौके पर DBCPL के वाहन ऑडिट प्रभारी राजेन्द्र मेवाड़ा, आईटी प्रभारी दीपक मेनारिया, इलेक्ट्रिकल प्रभारी लखन कुमार महतो, योगेन्द्र मेवाड़ा, रूप सिंह सहित वर्टिस फाउंडेशन की सीएसआर टीम के सदस्य और पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का भव्य अनावरण

साधना एक्सप्रेस रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा दिनांक 04 जुलाई 2026 को समय 11:00 बजे अपराह्न, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद एवं युवा चेतना के महान प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जायेगा। पंडित शंभूनाथ शुक्ला सभागार में यह गरिमामय समारोह में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य अतिथि, शिक्षाविद्, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ होगा। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमान इंदर सिंह परमार माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश शासन भोपाल, सारस्वत अतिथि प्रोफेसर रघुराज किशोर तिवारी प्रधान कृषि वैज्ञानिक, रीवा, विशिष्ट अतिथि डॉ. अजय तिवारी, माननीय कुलाधिपति, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)

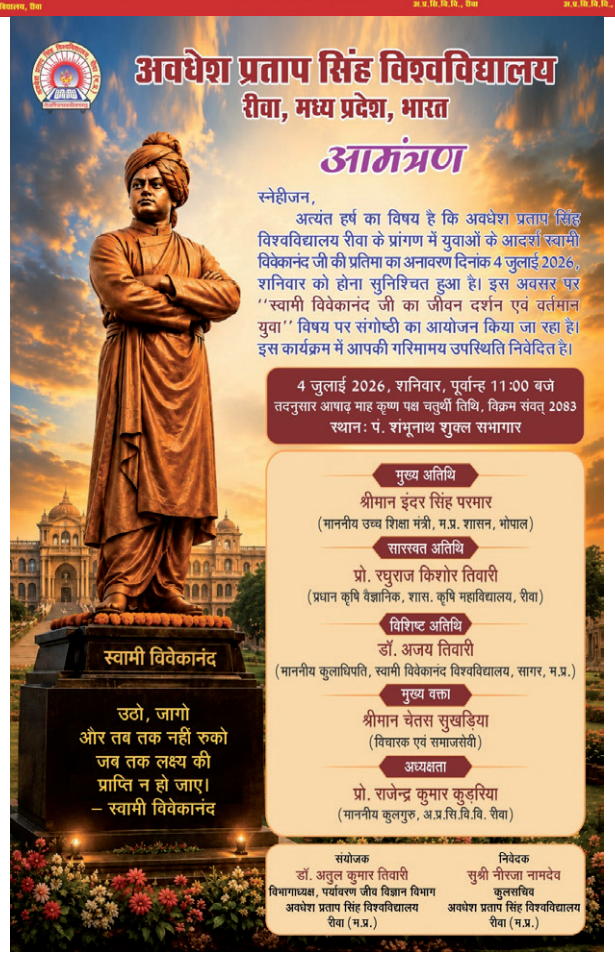

मुख्य वक्ता श्रीमान चेतस सुखाड़िया, विचारक एवं समाजसेवी एवं समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलगुरु प्रोफेसर राजेंद्र कुमार कुड़रिया जी करेंगे।

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अतुल कुमार तिवारी जी रहेंगे।

स्वामी विवेकानंद के राष्ट्रनिर्माण, चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास, शिक्षा, आध्यात्मिकता एवं युवाओं के प्रति उनके प्रेरणादायी विचारों पर प्रकाश डालेंगे। यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि समाज में राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव और मानव सेवा के आदर्शों को सुदृढ़ करने का माध्यम बनेगी। स्वामी विवेकानंद का संदेश—'उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत'—आज भी युवाओं को आत्मनिर्भर, कर्मशील और राष्ट्रहित में समर्पित जीवन जीने की प्रेरणा स्रोत है।

समारोह के अंत में सभी अतिथियों एवं नागरिकों से स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर राष्ट्र एवं समाज के सर्वांगीण विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया जाएगा।

भगवान श्री राम मानव समाज के प्रेरणा स्रोत हैं : : वल्लभाचार्य जी महाराज

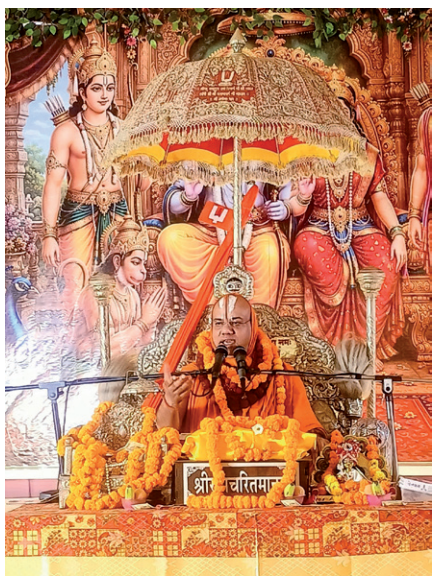

मनगवां में श्रीमद् वाल्मीकि रामायण रामकथा के पंचम दिवस श्रीराम के आदर्श चरित्र का हुआ भावपूर्ण वर्णन

साधना एक्सप्रेस रीवा

मनगवां स्नेहा मैरिज गार्डन, मनगवां में 29 जून से आयोजित संगीतमय श्रीमद् वाल्मीकि रामायण रामकथा के पंचम दिवस पर जगद्गुरु रामानंदाचार्य, श्री श्री 1008 श्री वल्लभाचार्य जी महाराज ने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, सद्गुणों एवं मर्यादा का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। महाराज श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक राजा नहीं, बल्कि आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में समस्त मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके जीवन का प्रत्येक प्रसंग हमें सत्य, त्याग, धैर्य, करुणा, सेवा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जब कभी भी हम किसी उलझन में फंसे रहे तो इस दौरान अपने आराध्य प्रभु भगवान श्री राम का पूरे मनोयोग से सुमिरन करने पर अवश्य ही कोई ना कोई रास्ता निकल कर सामने आता है। इसलिए हम सबको अपने आराध्य का स्मरण अपनी दिनचर्या में आवश्यक रूप से शामिल करना चाहिए। कथा के दौरान महाराज श्री ने कैकेयी-मंथरा संवाद का मार्मिक वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार परिस्थितियों ने भगवान श्रीराम के वनगमन का मार्ग प्रशस्त किया। इसके उपरांत श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण के अयोध्या से वनगमन तथा गंगा तट पर प्रथम रात्रि विश्राम की अलौकिक एवं भावविभोर कर देने वाली कथा का संगीतमय प्रस्तुतीकरण किया। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भक्ति और भाव में सराबोर हो गए तथा पूरा पंडाल 'जय श्रीराम' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीराम का वनगमन त्याग, आज्ञापालन और धर्मनिष्ठा का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने श्रद्धालुओं से श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मर्यादा, प्रेम और सेवा का मार्ग ही जीवन को सफल एवं सार्थक बनाता है।

कथा के अंत में भगवान श्रीराम की आरती संपन्न हुई तथा श्रद्धालुओं ने महाराज श्री का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के मुख्य श्रोता बालेंदुशेखर राजकुमार तिवारी ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को श्री राम कथा रूपी गंगा में गोता लगाने का आह्वान किया है।

ऑटो चालक ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, थाना प्रभारी के चालक पर मारपीट और पुलिस पर गंभीर आरोप

साधना एक्सप्रेस रीवा

जिले के डभौरा थाना क्षेत्र के ग्राम गोन्ता निवासी ऑटो चालक छोटू उर्फ केदार गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक रीवा को शिकायत सौंपकर गांव के निवासी रज्जन कोल, उसके परिवार तथा डभौरा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, 2 जुलाई 2026 को रज्जन कोल ने अपने परिवार के साथ प्रार्थी का इलेक्ट्रिक ऑटो बुक कर जवा तक यात्रा की। शाम को घर पहुंचने पर जब ऑटो चालक ने किराया मांगा तो आरोपी पक्ष कथित रूप से भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ बेरहमी से मारपीट की।

पीड़ित का आरोप है कि इस हमले में उसका बायां हाथ टूट गया, जांघ में गंभीर अंदरूनी चोट आई और चिकित्सकों ने ऑपरेशन की आवश्यकता बताई है। साथ ही आरोपियों ने उसके इलेक्ट्रिक ऑटो में भी तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के बाद उसे डभौरा थाने ले जाया गया, जहां उसकी शिकायत दर्ज करने के बजाय उसके साथ मारपीट की गई।

पीड़ित का दावा है कि पुलिस ने उसका टच स्क्रीन मोबाइल और ऑटो की किस्त जमा करने के लिए रखे 5 हजार रुपये भी अपने कब्जे में ले लिए तथा बिना कार्रवाई किए उसे थाने से भगा दिया।

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी रज्जन कोल एवं उसके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, कथित रूप से छीने गए मोबाइल और नकदी की जांच कराने, क्षतिग्रस्त ऑटो का मुआवजा दिलाने तथा दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हालांकि, इस मामले में पुलिस का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। पुलिस का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

शिक्षक इंद्रमुनि प्रसाद द्विवेदी हुए सेवानिवृत

साधना एक्सप्रेस रीवा

मनगवां. शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनगवाँ के वरिष्ठ हिंदी शिक्षक इन्द्रमुनि प्रसाद द्विवेदी ने 1 जनवरी 1996 से 23 जून 2026 तक, यानी लगातार 30 वर्षों तक, हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रभाव डाला। उनके शिक्षा के प्रति अटूट निष्ठा, प्रेरणादायक शिक्षण शैली और विद्यार्थियों के प्रति गहरी चिंता ने सैकड़ों छात्रों को आगे बढ़ने की ताकत दी। उनकी यह यात्रा शिक्षा जगत में एक मिसाल बने गई। और वे हमेशा एक आदर्श शिक्षक के रूप में याद किए जा रहे हैं।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर उन्होंने अपने गृह ग्राम आंबी में एक गरिमा पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी शुभचिंतक एवं विद्यार्थी कार्यक्रम में शामिल हुए। उपस्थित लोगों द्वारा शाल, श्रीफल, सचित्र एवं पारितोषिक उपहार देकर सम्मानित भी किया गया । शिक्षण स्टाफ ने उनके नई पारी की शुरुआत की शुभकामनाएं दी। अब वह शिक्षा जगत से सेवानिवृत होकर आम जनता के बीच में रहकर लोगों का शिक्षा के क्षेत्र में मार्गदर्शन करते रहेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख रूप से लोगों में शरद चंद्र तिवारी, शिष्य राघव शरण तिवारी, जगजीवन लाल तिवारी, अनिकेश पांडे, आदित्य प्रसाद तिवारी, लखपति प्रसाद तिवारी, हरिश्चंद्र सिंह, टी.पी. चतुर्वेदी, नागेश पांडे, राम भजन गुप्ता, एम.बी. शर्मा समेत कई अन्य लोगों ने सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों का आभार उनके ज्येष्ठ पुत्र शशांक द्विवेदी ने व्यक्त किया।

दिशा समिति की बैठक में साईंखेड़ा नगर परिषद अध्यक्ष स्वाति सचिन अग्रवाल ने उठाईं नगर की प्रमुख समस्याएं

स्वास्थ्य, बिजली और आवास योजना के मुद्दों पर किया ध्यान आकर्षित

साधना एक्सप्रेस नरसिंहपुर

(राजेश नीरस) जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद एवं समिति के अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान 28 विभागों से संबंधित 104 एजेंडों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में साईंखेड़ा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल ने नगर की प्रमुख जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने नगर में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, विद्युत व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता तथा प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित पात्र हितग्राहियों की समस्याओं को समिति के समक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि इन मूलभूत समस्याओं के समाधान से नगरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी और संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधूरी विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा जनहित के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है।

बैठक में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) के अंतर्गत प्रस्तावित विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। सांसद ने मुआर–उमरधा मार्ग के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

इसके अलावा ग्राम बिजौरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति, अधूरे विकास कार्य, सड़कों की गुणवत्ता, विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि तथा नेशनल हाईवे से जुड़े लंबित कार्यों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। संबंधित अधिकारियों को इन सभी मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विश्वनाथ सिंह, महेंद्र नागेश, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति काकोड़िया, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं दिशा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

किसानों ने सौंपे 100 प्रतिशत मूंग खरीदी एवं गांव खाद वितरण व्यवस्था बेहतर कराने ज्ञापन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा*। (राजेश नीरस) गत दिवस क्षेत्रीय किसानों ने मंत्री उदय प्रताप एवं तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल को 100 प्रतिशत मूंग खरीदी एवं गांव खाद वितरण व्यवस्था बेहतर कराने ज्ञापन दिए। जिसमें उल्लेख है कि हम सभी क्षेत्रीय किसान, शासन द्वारा 25 प्रतिशत मूंग खरीदी के निर्णय व खाद की ई - टोकन प्रणाली की वर्तमान अव्यवस्था से बेहद दुःखी और परेशान हैं। उक्त समस्याओं के निवारण हेतु विनम्र आग्रह है कि आप मुख्यमंत्री से इस गंभीर विषय पर विचार विमर्श करते हुए इस समस्या का हल निकलवाने की कृपा करें। जिससे हम सब क्षेत्रीय किसानों की समस्या का निराकरण हो सके। 100 प्रतिशत मूंग खरीदी करवाने एवं खाद वितरण गांव गांव सोसायटियों के माध्यम से करवाने की मांग की गई है।

नांदनेर मे विदाई कार्यक्रम आयोजित

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा*। (राजेश नीरस) गत दिवस साईंखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम नांदनेर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ उच्च माध्यमिक शिक्षक चंद्रशेखर पटेल की अर्धवार्षिकीय सेवा अवधि पूर्ण होने के अवसर पर विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे उन्हें शिक्षकों ने शाल, श्रीफल, विदाभिनंदन पत्र एवं उपहार देकर विदाई दी। कार्यक्रम मे प्राचार्य श्रीमति अर्पणा मिश्रा द्वारा श्री पटेल के जीवन वृतांत पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम में सेवानिवृत शिक्षक अनिल स्थापक ने भी श्री पटेल की कार्यशेली को सराहा। इस अवसर पर मंच संचालन शिक्षक श्रीमति ज्योति श्रीवास्तव ने किया। इस कार्यक्रम मे संध्या शुक्ला,रितु गुप्ता, अजय सोनी, मनीषा नामदेव, ब्रजेश मेहरा,टंटूलाल छीपा, तुलसीराम श्रीवास सहित अन्य शिक्षक साथी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।) | RNI NO. MPHIN/2022/84698